सुविचार
जब तक तुम स्वयं पर विश्वाश नहीं करते, परमात्मा में विश्वास कर ही नहीं सकते।
विवेकानंद

दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष 2 ■ अंक 193 ■ जबलपुर, मंगलवार 08 जुलाई 2025 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये

अंधविश्वास में पीट-पीटकर जिंदा जलाया, पूर्णिया में डायन के शक में हुई घटना

बिहार में बड़ा हत्याकांड : एक ही परिवार के 5 लोगों का मर्डर

(पूर्णिया)। पूर्णिया जिले के एक आदिवासी बाहुल्य गांव में एक 70 वर्षीय महिला को डायन बता महिला समेत परिवार के पांच सदस्यों को जिंदा जलाकर मार डाला गया। शहर के करीब ही अंधविश्वास में यहां जिंदा लोगों की चिता सज गई। सभी शवों को ग्रामीणों ने एकजुट होकर घटनास्थल से एक किलोमीटर दूर ले जाकर जेसीबी की मदद से दफन कर दिया। परिवार के ही एक किशोर किसी तरह जान बचाकर भागने में सफल रहा और सोमवार को पुलिस को इसकी जानकारी दी। श्वान दस्ते की मदद से सभी शवों को पुलिस ने बरामद भी कर कर लिया है।

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रजीगंज पंचायत के आदिवासी बाहुल्य टेटगामा में यह घटना घटी है। परिवार के पांच लोगों को जिंदा जला डाला। मामला रविवार की देर रात्रि की है। मरने वालों में 70 वषीर्या मौसमात कातो देवी, 50 वर्षीय बाबूलाल उरांव, पत्नी 40 वर्षीय सीता देवी, मनजीत कुमार-20 वर्ष व उनकी पत्नी 18 वर्षीय रानी देवी शामिल हैं। बचे किशोर ने पुलिस को बताया कि गांव में एक परिवार का बच्चा लंबे समय से बीमार चल रहा था। गांव वालों को शक था कि उनकी दादी कातो देवी डायन है और उसी ने बच्चे को बीमार कर दिया है। बच्चे की तबीयत बिगड़ने के कारण रविवार की रात ग्रामीणों ने एकजुट होकर परिवार पर धावा बोला और बंधक बनाकर लेकर चले गए। उसे उन लोगों ने नहीं देखा और वह वहां से भाग निकला। वह रातो रात भागकर अपना ननिहाल वीरपुर पहुंचा। सुबह में सभी को इसकी जानकारी दी। बाद में उन लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस शव बरामद करते हुए पोस्टमार्टम में भेज दिया है। इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

इनका कहना है

श्वान दस्ते की मदद से पांचों शव बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में बचे किशोर के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। सभी आरोपितों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसमें स्पीडी ट्रायल के जरिए सजा दिलायी जाएगी।

स्वीटी सहरावत
पुलिस अधीक्षक, पूर्णिया।

ठाकरे को भाजपा सांसद निशिकांत की धमकी

महाराष्ट्र में बड़े बॉस हो, बिहार-यूपी आओ तुमको पटक-पटक कर मारेंगे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के भाषा विवाद में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को कहा, 'आप अपने घर महाराष्ट्र में अगर बहुत बड़े बॉस हो तो चलो बिहार, चलो यूपी, चलो तमिलनाडु, तुमको पटक-पटक कर मारेंगे।' उन्होंने न्यूज एजेंसी ANI से कहा, 'अगर आपमें ज्यादा हिम्मत है, आप हिंदी भाषी को मारते हैं तो उर्दू भाषी, तमिल, तेलुगु को भी मारो। आप ये घटिया हरकत कर रहे हो। इखढ सांसद दुबे ने जवाब राज ठाकरे के उस बयान पर दिया, जिसमें राज ने कहा था- मराठी ना बोलने पर मारो, लेकिन वीडियो मत बनाओ।

निशिकांत बोले- दरगाह के पास उर्दू भाषी को पीटकर दिखाओ

दुबे ने कहा- ये अराजकता नहीं चलेगी। हम मराठी का सम्मान करते हैं। हम शिवाजी महाराज, तात्या टोपे, तिलक, लाजपत राय का सम्मान करते हैं। ये उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे जो कर रहे हैं, उसका हम प्रतिकार करते हैं। दुबे ने कहा- अगर उनमें हिम्मत है तो बगल में माहिम इलाके में चले जाए और दरगाह के पास किसी हिंदी-उर्दू भाषी को पीटकर दिखा दें तो मैं मानूंगा कि वो सचमुच बालासाहेब ठाकरे जी के वारिस हैं और उनके सिद्धांतों पर चल रहे हैं।

राज ठाकरे ने कहा था- अगर आप किसी को पीटते हैं, तो वीडियो न बनाएं

महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने 'मराठी एकता' पर शनिवार को मुंबई के वर्ली सभागार में 'मराठी विजय रैली' की थी। दोनों ने 48 मिनट तक हिंदी-मराठी भाषा विवाद, मुंबई-महाराष्ट्र, भाजपा और

केंद्र सरकार पर निशाना साधा। दोनों नेताओं ने कहा- तीन भाषा का फॉर्मूला केंद्र से आया। हिंदी से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसे थोपा नहीं जाना चाहिए। अगर मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी है तो हम गुंडे हैं। राज ठाकरे ने 5 कहा था, 'चाहे गुजराती हो या कोई और, उसे मराठी आनी चाहिए, लेकिन अगर कोई मराठी नहीं बोलता तो उसे पीटने की जरूरत नहीं है, लेकिन अगर कोई बेकार का ड्रामा करता है तो आपको उसके कान के नीचे मारना चाहिए। अगर आप किसी को पीटते हैं, तो घटना का वीडियो न बनाएं।

उद्धव-राज ठाकरे ने कहा था- मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी, तो हम गुंडे

महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने 'मराठी एकता' पर मुंबई के वर्ली सभागार में 'मराठी विजय रैली' की थी। दोनों ने 48 मिनट तक हिंदी-मराठी भाषा विवाद, मुंबई-महाराष्ट्र, भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। दोनों नेताओं ने कहा- तीन भाषा का फॉर्मूला केंद्र से आया। हिंदी से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसे थोपा नहीं जाना चाहिए। अगर मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी है तो हम गुंडे हैं।

प्रेमिका ने शादी से किया इनकार तो प्रेमी ने तालाब में कूद कर दी जान

भोपाल। वीआइपी रोड से बड़े तालाब में कूदकर एक युवक ने अपनी जान दे दी। युवक प्रेमिका के शादी से इनकार करने को लेकर परेशान था। सोमवार सुबह भी फोन पर उसका प्रेमिका से झगड़ा हुआ था। जिसके बाद युवक बिलखिरिया से वीआइपी रोड पहुंचा। वहां करीब दस मिनट तक वह खड़ा रहा और फिर तालाब में छलांग लगा दी।

एक घंटे बाद शव निकाला बाहर

युवक को कूदता देख आसपास के लोगों ने नगर निगम और पुलिस को फोन कर सूचना दी। गोताखोर तालाब में कूदे और करीब एक घंटे बाद उसका शव बाहर निकाला। तब तक युवक की सांसें थम चुकी थीं। तलैया थाना पुलिस युवक की मौत की जांच कर रही है। थाना प्रभारी दीपक डेहरिया के अनुसार 22 वर्षीय अमित साहू बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कोकता मल्टी में रहता था। वह टैक्सी कंपनी में अपनी कार चलाता था। स्वजनों ने बताया कि बीते छह साल से अमित का एक युवती से प्रेम-प्रसंग था, वह उससे शादी करना चाहता था। इसके लिए स्वजन भी राजी थे, लेकिन उसकी प्रेमिका ने पिछले दिनों अचानक शादी से इनकार कर दिया। इस बात को लेकर अमित तनाव में रहने लगा था। मृतक के भाई का दावा है कि खुदकुशी से पहले अमित उसी युवती से बात कर रहा था।

बिहार वोटर वेरिफिकेशन केस पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, 10 जुलाई से होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि बिहार की मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण करने के चुनाव आयोग के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को विचार करेगा। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस मामले में शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध स्वीकार करते हुए कहा कि अदालत गुरुवार इस मामले में विचार करेगी। बिहार में नवंबर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उससे पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण करने के चुनाव आयोग के इस फैसले पर सवाल उठाये जा रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के अलावा स्वयंसेवी संस्थाएं पुनरीक्षण के लिए निर्धारित समय समेत अन्य व्यावहारिक दिक्कतों का हवाला देते हुए खुलकर विरोध कर रही हैं। उनका कहना है कि इससे बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा, राष्ट्रीय जनता दल सांसद मनोज कुमार झा, गैर सरकारी संगठनों झ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, पीयूसीएल और सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव समेत अन्य ने इस संबंध में चुनाव आयोग के 24 जून, 2025 के फैसले की वैधता को शीर्ष अदालत में चुनौती देते हुए अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं। याचिकाकताओं ने दावा किया कि यह कदम संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21, 325 और 326 के साथ-साथ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 21ए के प्रावधानों का उल्लंघन है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि इस आदेश को रद्द नहीं किया गया तो मनमाने ढंग से और उचित प्रक्रिया के बिना लाखों मतदाताओं को अपने प्रतिनिधियों को चुनने से वंचित किया जा सकता है। इससे देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और लोकतंत्र बाधित हो सकता है, जो संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं।

उपराष्ट्रपति बोले- जस्टिस वर्मा केस में तुरंत FIR की जरूरत

कैश कहां से आया, ये जानना जरूरी; जज के घर बोरियों में अधजले नोट मिले थे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को जस्टिस वर्मा के घर में मिले अधजले नोटों के मामले में तुरंत FIR की बात कही। उन्होंने कहा- यह न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह हमारी न्यायपालिका की नींव को हिला देने वाला है। इस मामले की जड़ तक जाने की जरूरत है। कैश कहां से आया, ये जानना बहुत जरूरी है। केंद्र स्तर पर सरकार मजबूर है, क्योंकि 90 के दशक की शुरूआत में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के कारण जस्टिस पर FIR दर्ज नहीं की जा सकती है। धनखड़ ने नेशनल एडवांस्ड लीगल स्टडीज (NUALS) यूनिवर्सिटी के सेमिनार में ये बातें कहीं। दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित घर में 14 मार्च की रात आग लगी थी। उनके घर के स्टोर रूम में 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले थे। इसके बाद से ये सवाल खड़ा हुआ कि इतना कैश कहां से आया।

उपराष्ट्रपति धनखड़ के संबोधन की खास बातें

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर चिंता जताई : "मैं न्यायपालिका की स्वतंत्रता का समर्थन करता हूं। जजों को सुरक्षा प्रदान करना जरूरी है क्योंकि वे जटिल परिस्थितियों में काम करते हैं। लेकिन जब ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, तो हमें सच का सामना करना होगा।" उन्होंने जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर मिले नकदी का हवाला दिया।
शेक्सपियर के नाटक से जोड़ा : उन्होंने इसे शेक्सपियर के नाटक 'जूलियस सीजर' से जोड़ा और 14 मार्च (जूलियस सीजर की हत्या की तारीख) को न्यायपालिका के लिए बुरा समय बताया।
जांच की मांग की : उन्होंने कहा, "यह नकदी कहां से आई? क्या यह काला धन है? इसका मालिक कौन है? इसकी जांच होनी चाहिए। यह एक आपराधिक कृत्य है, और इसके लिए तत्काल एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।
जजों के रिटायरमेंट के बाद नियुक्तियों पर सवाल उठाए: उपराष्ट्रपति ने जजों को सेवानिवृत्ति के बाद दी जाने वाली नियुक्तियों पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा लोक सेवा आयोग , नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी), को सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी पद नहीं मिलती। लेकिन जजों के लिए ऐसा कोई नियम नहीं है।

'किसानों के हित से नहीं करेंगे समझौता'

नई दिल्ली। भारत व्यापार समझौते से जुड़े शुल्क को लेकर अपना रुख अमेरिका के सामने स्पष्ट कर चुका है। अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर बातचीत करने गए राजेश अग्रवाल वापस आ चुके हैं। माना जा रहा है कि ट्रंप सरकार को यह स्पष्ट कर दिया गया है कि भारत कृषि और डेयरी सेक्टर से जुड़े किसान और छोटे कारोबारियों के हित से समझौता नहीं करेगा। इससे अमेरिका थोड़ा परेशान है। और अब फैसला अमेरिका को लेना है।
व्यापार शुल्क पर बदलते रहे हैं ट्रंप के रूख- व्यापार शुल्क को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार बदलते रुख से भी सरकार से लेकर व्यापारी तक समझौते को लेकर कुछ भी भरोसे से कहने की स्थिति में नहीं है। अब पारस्परिक शुल्क के अमल को लेकर अमेरिका की सरकार सोमवार से विभिन्न देशों को पत्र भेजने का सिलसिला शुरू करने जा रहा है। हालांकि साथ में कुछ देशों के साथ व्यापार समझौते की बात भी ट्रंप के तरफ से कही गई है, लेकिन यह साफ नहीं है किन देशों के साथ अमेरिका समझौता करेगा और किन देशों के ऊपर पारस्परिक शुल्क लगाएगा। आठ जुलाई को पारस्परिक शुल्क के स्थगन की अवधि समाप्त हो रही है। पारस्परिक शुल्क अब एक अगस्त से लागू होगा। विभागीय मंत्री से लेकर व्यापार समझौता वार्ता से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी भी अब सिर्फ ट्रंप के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि भारत कृषि और डेयरी सेक्टर से जुड़े किसान और छोटे कारोबारियों के हित से समझौता नहीं करना चाहता है। इस बात से ट्रंप नाराज है और व्यापार समझौते में देर हो रही है। सूत्रों का कहना है कि भारत जेनेटिकली मोडिफाइड (जीएम) कृषि पदार्थ को छोड़ अन्य कृषि पदार्थों में अमेरिका को शुल्क में राहत देने के लिए तैयार है, लेकिन अमेरिका सभी कृषि पदार्थों के लिए शुल्क में राहत चाहता है। डेयरी आइटम में भारत कोई राहत नहीं देना चाहता है।

टर्किश कंपनी भारत में एयरपोर्ट पर सर्विस नहीं दे सकेगी

नई दिल्ली। तुर्किये की ग्राउंड हैंडलिंग और कार्गो सर्विस कंपनी सेलेबी एविएशन की याचिका को आज यानी, 7 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। याचिका में कंपनी ने अपनी सुरक्षा मंजूरी रद्द करने के केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के हवाले से सेलेबी की मंजूरी रद्द की थी।
सवाल 1: सेलेबी एविएशन क्या है और भारत में इसका काम क्या था? जवाब: सेलेबी एविएशन तुर्किये की कंपनी है, जो हवाई अड्डों पर ग्राउंड हैंडलिंग और कार्गो सर्विसेज देती है। यानी, ये कंपनी हवाई जहाजों की लैंडिंग, पैसेंजर्स की हैंडलिंग, सामान की लोडिंग-अनलोडिंग और कार्गो मैनेजमेंट जैसे काम करती है। कंपनी के दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद, गोवा, कोचीन, और कन्नूर जैसे 9 बड़े हवाई अड्डों पर ऑपरेशन्स थे। कंपनी हर साल करीब 58,000 फ्लाइट्स और 5.4 लाख टन कार्गो को हैंडल करती थी। इसके 14,000 कर्मचारी भारत में काम करते हैं, जो सभी भारतीय हैं। 1958 में स्थापित सेलेबी एविएशन दुनिया भर में 70 स्टेशनों पर काम करती है।
सवाल 2: सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी क्यों रद्द की गई? जवाब: केंद्र सरकार ने 15 मई 2025 को ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (इउअर) के जरिए सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी। इसका कारण नेशनल सिक्योरिटी बताया गया। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में तनाव बढ़ा था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर हमले किए थे। इस दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान का समर्थन किया और भारत की कार्रवाई की निंदा की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस वजह से भारत सरकार ने तुर्किये से जुड़ी कंपनियों पर शक जताया।

सीएम मोहन यादव बोले- प्रगतिशील राज्य के रूप में पहचान बना रहा एमपी

एमपी को मिले 15,606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

लुधियाना/भोपाल। मध्य प्रदेश को उद्योग एवं रोजगार वर्ष-2025 में सोमवार को लुधियाना में उद्योगपतियों के साथ आयोजित इंटरेक्टिव सेशन में निवेश की दृष्टि से काफी अच्छा रिस्पॉस मिला है। एमपी के लिए लगभग 15 उद्योग समूहों ने 15,606 करोड़ के निवेश प्रस्ताव दिए हैं, जिनसे 20,000 से अधिक रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यह प्रस्ताव पीएम मित्र पार्क (धार), पीथमपुर, सीहोर, मोहासा बाबई (नरसिंहपुर) और इंदौर के लिए प्राप्त हुए हैं। औद्योगिक निवेश की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। लुधियाना में सीएम मोहन यादव ने टेक्सटाइल, मशीन टूल्स, ऑटो और इंजीनियरिंग से जुड़े प्रमुख उद्योगपतियों के साथ संवाद किया और उन्हें निवेश के लिए आमंत्रित भी किया। इस अवसर पर सीएम ने कहा कि हमारा प्रदेश आज निवेशकों के लिए विश्वसनीय और प्रगतिशील राज्य के रूप में पहचान बना रहा है। सीएम मोहन यादन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति कर रहा है। पंजाब बड़ा और मध्य प्रदेश छोटा भाई है, अब मिलकर कार्य करेंगे। भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। जीआईएस में मध्य प्रदेश ने उद्योग केंद्रित नीतियों को दुनिया के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि पंजाब वीरों की धरती है, इसकी अलग ही पहचान है। यह गुरु परंपरा की अद्भुत धरती है। मध्य प्रदेश के इंदौर की पहचान स्वच्छता में है, तो लुधियाना की पहचान उद्योगों से है। यह पंजाब का मैनचेस्टर है। यहां की विरासत सिंधु घाटी सभ्यता से पहले की है। लुधियाना से एवन और हीरो साइकिलों ने पहचान बनाई है। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश और पंजाब बिछुड़े भाई है। पंजाब बड़ा और मध्य प्रदेश छोटा भाई है। अब मिलकर कार्य करेंगे। हम आपको मध्य प्रदेश में काम करने के लिए आमंत्रित करने आए हैं। सरकार सबका स्वागत करती है और सभी निवेशकों की मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत बदलते दौर में सिरमोर बन रहा है। एक तरफ युद्ध तो दूसरी ओर बड़ी डील्स की बात भी चलती है। उद्योगपतियों से कई लोगों को पेट पलता है और गरीबों के जीवन में उजाला आता है। यह एक पवित्र कार्य है। हम अपने परिवार का पोषण करते हुए दूसरों का भी घर रोशन करते हैं। 300 साल पहले व्यापार करते करते गुलामी की दास्ता फैल गई। सीएम ने कहा कि पंजाब शहीद भगत सिंह की धरती है, जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान देकर देश की आजादी में अहम भूमिका निभाई। आप लोग यहां भी काम करते रहें और विस्तार करते हुए एक फैक्ट्री मध्य प्रदेश में भी लगाएं। पंजाब के अंदर एक मालवा भी है। एक दौर था जब शकों के सम्राज्य में वीर विक्रमादित्य ने अपनी सेना के बल पर देश को शकों से आजाद कराया था। माल वालों के पास ही मालवा होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने उद्योगपतियों को सौगात दी है। टेक्सटाइल सेक्टर के इंडस्ट्रियल वर्कर्स की सैलरी में सरकार 5000 रुपए की मदद देगी। स्कूली बच्चों को साइकिलें बांटी जा रही हैं। साइकिलें पंजाब में बनती हैं। जीआईएस में मध्य प्रदेश ने अपनी उद्योग केंद्रित नीतियों को दुनिया के सामने रखा। उद्योग विभाग की जिम्मेदारी भी मेरे पास है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में सोने की चिड़िया की पहचान रखता था। 1947 में देश आजाद हुआ। तब भारत अर्थव्यवस्था में दुनिया में 15वां स्थान रखता था। इजरायल और जापान कहां से कहां पहुंच गए। 2014 में भारत 11वें स्थान पर था और आज बदलते दौर में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज़ पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें
7415685293
7509202320
9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

डॉक्टरी के साथ-साथ कर रहा डोलोमाइट खदान का संचालित....

साल बीतने के बाद भी नहीं हो सकी जांच, विभाग दे रहा है खुला संरक्षण

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। आदिवासी बाहुल्य जिले में रसूखदार और जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी मिल के उड़ा रहे है सिविल सेवा आचरण अधिनियम की धज्जियाँ नोकरी के साथ चला रहे डोलोमाइट खदान खनिज माफियाओं के आगे नतमस्तक है जिला प्रशासन... डोलोमाईट खन्नन में नियम कानून दरकिनार करते हुए किया जा रहा हैं खुला उल्लघन.. सूचना अधिकार से हुआ खुलाशा सरकारी डॉक्टर भी चला रहा है डोलोमाईट खदान जिला खनिज और मुख्य चिकित्सा अधिकारी दे रहे संरक्षण जाँच के नाम पर केवल खानापूर्ति, वही सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंडला जिले के विकास खण्ड मोहगांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ है और आज भी बम्हनी के ग्राम भंवरताल में डोलोमाइट माइंस का संचालन किया जा रहा है जिसकी शिकायत एक जागरूक नागरिक के द्वारा लगभग ढेड वर्ष पूर्व की थी पर आज ढेड वर्ष से अधिक समय व्यतीत हो चुका है पर विभाग की जांच पूरी नही हो सकी और शिकायत फाइलों में धूल खा रहा हैं और डॉक्टर नोकरी के साथ व्यवसाय की जांच न जिले के मुख्य चिकित्सा एव स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय हो पाई और न ही जिला कलेक्टर कार्यालय और न ही जिला खनिज विभाग से लगता है कि इन जिम्मेदार विभाग ही ऐसे कर्त्तव्य हैं व्यक्ति जो नियम अधिनियम को ताक में ?खकर मखौल उड़ा रहें हैं।

वही इन दिनों खनिज माफिया, शराब माफिया और रेत माफिया का तांडव चरम सीमा में दिखाई पड़ रहा है। जिले के मुखिया को छोड़कर सभी अधिकारी कर्मचारी इन माफियाओं से अपना निजी स्वार्थ सिद्ध करते हुए आर्थिक लाभ अर्जित कर इन्हें खुला संरक्षण दे रहे है। जिस तरह भारत देश सोने की चिड़िया कहा जाता था और उसे अंग्रेज ओर मुगलों ने बर्बाद कर लूट लिया उसी तर्ज में मंडला जो कि आदिवासी बाहुल्य जिला है और प्रकृति संपदा से भरा पूरा है किंतु बाबू राज के चलते करोड़ों अरबों रूपयों का डोलोमाईट गोंड खनिज की चोरी प्रतिवर्ष लगातार हो रही हैं जिले की नैनपुर और भुआ बिछिया तहसील में सोने की कीमत से बढ़कर एक ऐसी खनिज संपदा डोलोमाईट का इन दिनों अबैध उत्तखन्न जोरो से जारी है सब कुछ जानकर भी लगभग तीस बर्षों संचलित जिले की डोलोमाईट खदानों का न तो सीमांकन किया गया है और न ही जिले में बेठे जिम्मेदार खनिज विभाग के आला अधिकारियों ने हो नियम विरुद्ध अबैध उत्तखन्न को लेकर आज तक कोई कार्यवाही नही की है जबकि उखन्नन स्थल को देखने पर स्पष्ट नजर आ रहा है वनांचल से लगे इस छेत्र में लगातार हरे भरे जंगल व कृषि भूमि के साथ साथ नदी नाले भी बंजर नजर आ रहे है वही धरती जिसको सभी अपनी माँ का दर्जा देते है पर कुछ माफियाओं ने अपने निजी स्वार्थ के चलते पाताल का स्वरूप बना दिया है संपूर्ण डोलोमाइट क्षेत्र में रहवास कर रहे ग्रामीण और सीधे साधे आदिवासी प्रदूषित वातावरण के चलते अब गाँव के गाँव खाली हो रहे है वही दूसरी ओर इन डोलोमाईट खदानों उत्खनन हेतु ब्लास्टिंग की जा रही है वह इतनी तेज हुआ करती है की घरों की दीवारें में खोखली हो चुकी है और इस छेत्र के आसपास में रहने वालों का सदैव जीना दूभर हो चुका है आज दूर दूर तक खन्नन के लिए हो रही ब्लास्टिंग से आम जन भयभीत नजर आ रहे है एक ओर जहाँ पर्यावरण व वन्य प्राणियों के लिए केन्द्र और प्रदेश सरकार प्रतिवर्ष करोड़ों अरबों रुपये खर्च कर रही है वही दूसरी ओर डोलोमाईट खदानों से कुछ ही दूरी पर विश्व प्रसिद्ध कान्हा नेशनल पार्क की भी सीमा लगी हुई है जिससे वन्य प्राणी जीवन भी असुरक्षित बना रहता हैं किंतु इन लालची किस्म के उद्योग पतियों को न पर्यावरण न वन्य प्राणियों और न ही मानव जीवन को लेकर ये चिंचित है इन्हें तो केवल ऐसा लग रहा है कि इस प्राकृतिक संपदा का हम कितना दोहन कर अपनी तिजोरियों भर सके। आज जब कुछ पर्यवरण चिंतक ओर प्राकृतिक प्रेमियों ने मंडला जिले की बिछिया तहसील के अंतर्गत ग्राम भावरताल में संचालित मेंसर्स कुसुम मिनरल्स, सुमेधा मिनरल्स, श्री कमेलश मोहन झिकराम और जय श्री श्याम मिनरल्स, की खदानों का अवलोकन किया तो देखा कि ये सभी लोगो के द्वारा तय किये गए नियम कानून से अधिक उखन्नन कर नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए शासन को लाखों करोड़ो की राजस्व हानि पहुँचा रहे हैं। इन सभी डोलोमाईट खादानों की एक आश्चर्यजनक बात सामने आई कि मेंसर्स कमलेश मोहन झिकराम खदान का संचालन करता और कोई नही बल्कि एक एम बी. बी. एस. ड्राक्टर जो कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के अधीनस्थ विकास खण्ड मोहगांव के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर के पद पदस्थ है और शासकीय सेवा में वर्ष 1995 से आज दिनांक पदस्थ है और जबकि सिविल आचरण में स्पष्ट उल्लेख है कि कोई भी शासकीय अधिकारी कर्मचारी शासकीय सेवा में रहते हुए किसी भी व्यवसाय/ निजी दुकानदारी नही कर सकता है लेकिन मध्यप्रदेश के अंदर मंडला जिले में एक अनोखा मामला देखने को मिला रहा है कि जिसमें शासकीय सेवा का लाभ लेते हुए साथ इनके द्वारा जिले के ग्राम भावरताल में ही गोंड खनिज डोलोमाइट खदान का संचालन स्वयं ही खुलेआम कर रहे है जहाँ पर इनके द्वारा शासन के सभी नियमों कानून को दरकिनार करते हुए नॉकरी और व्यवसाय एक साथ ही कर रहे है जबकि इस सन्दर्भ की शिकायत एव जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मंडला, खनिज अधिकारी मंडला तथा तत्कालीन कलेक्टर के समक्ष एक समाज सेवक नारायण यादव के द्वारा लगभग एक साल पूर्व इन सभी जिम्मेदार अधिकारियों समक्ष बार बार उपस्थिति होकर मय प्रमाणित दस्तावेज शिकायत के रूप में दिये गए परन्तु आज एक वर्ष से अधिक समय हो जाने के बाद भी सम्बंधित शिकायत पत्र पर आज दिनांक तक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला खनिज अधिकारी और न ही जिला प्रशासन के द्वारा कोई कार्यवाही नही की गई जिससे लग रहा है कि समूचा आदिवासी बाहुल्य जिले में बैठा प्रशासनिक तंत्र इतने गंभीर विषय को नजरअंदाज कर रहा है और ऐसे शासकीय सेवक को सिविल सेवा आचरण अधिनियम को ताक में रख कर डोलोमाईट खदान का संचालन करने का खुला संरक्षण दिया जा रहा है साथ ही शासन को करोड़ों रुपये की हानि पहुँचाने में मददगार साबित हो रहा हैं साथ ही इन खादानों में मजदूरी करने वाले श्रमिकों को कम राशि देकर एव उनको सुविधाएं से वंचित किया जा रहा है शासन के माप दंड के अनुसार खदान में फायर सेप्टी श्रमिकों को स्वास्थ्य सम्बंधित व इन्हें मिलने वाली मूलभुत सुविधाएं से वंचित रखा जा रहा हैं। आश्चर्य की बात यह कि इन सभी डोलोमाईट खदानों के संचालन के दौरान नेशनल ग्रीन ट्रीमनल (N G T) के नियमों के विपरीत उत्तखन्न किया जा रहा है पर मंडला मुख्यालय में बैठा जिम्मेदार विभाग के कानों में जू तक नही रेग रही है ऐसा प्रतीत होता है कि सम्पूर्ण खनिज विभाग का अमला इन डोलोमाईट गोंड खनिज माफियाओं के सामने नतमस्तक होकर संकल्पित हो चुका है और अबैध उत्तखन्न करने इन्हें अभय दान दे दिया गया वही जिले में नवपदस्थ कलेक्टर महोदया से क्षेत्रीय जानो ने यह अपेक्षा की है कि मंडला जिले के भुआ बिछिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम भवताल में संचालित डोलोमाईट खदानों का किसी ईमानदार एजेन्सी से जाँच कराकर क्षेत्रीय जनों को हो रही परेशानी से निजात दिलाएं।

इनका कहना है कि....

मंडला जिला आदिवासी जिला होने के साथ साथ इस जिले में कानून व्यवस्था नियम कानून सब के सब सुस्त है इस जिले में कोई नियम कानून का पालन नही कर रहे है और न ही शिकायतों में कोई जांच होती है, नेतागिरी और नेता सब के सब पैसा कमाने में लगे हुए है मैने ढेड साल से ऊपर हो चुका है। ड्राक्टर कमलेश मोहन झिकराम जो ड्राक्टर के साथ साथ भवरताल में डोलोमाईट खदान भी चलाने का कार्य कर रहे है जिसकी शिकायत मैंने कलेक्टर मंडला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी मंडला और खनिज अधिकारी मंडला को जाकर दिया पर आज तक कोई जांच नही कि गई है जानकारी लेने पर एक ही जाबाब मिलता है कि एभी जांच चल रही हैं पता नही कब तक चलेगी मैने तो सभी आवश्यक दस्तावेज भी शिकायत के साथ संलग्न कर दिया हैं।

नारायण यादव, समाज सेवी मंडला

खतरे के निशान के ऊपर पहुंचा नर्मदा का जलस्तर

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। मंडला में बीते एक सप्ताह से बारिश लगातार जारी है। सोमवार सुबह तक 24 घंटे के दौरान जिले में 108 मिमी यानी 4.25 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई, जिससे नर्मदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है और यह वार्निंग लेवल को पार कर गया। बता दें कि दोपहर 12 बजे नर्मदा नदी का जलस्तर 437.55 मीटर पर है, जबकि वार्निंग लेवल 437 मीटर और खतरे का निशान 437.80 मीटर है। वहीं कल नर्मदा का जल स्तर 435.69 मीटर था, जिले की प्रमुख नर्मदा नदी के साथ-साथ मटियारी, सुरपन और बंजर सहित कई नदियां उफान पर हैं। नर्मदा नदी पर स्थित माहिष्मती घाट का छोटा पुल एक बार फिर पानी में डूब गया है। जलस्तर बढ़ने से निचले इलाकों में खतरा मंडरा रहा है। 1 जून से 7 जुलाई तक यानी सवा महीने में मंडला जिले में अब तक 700.8 मिमी (27.59 इंच) बारिश दर्ज की गई है, जो सालभर के औसत 1326.2 मिमी के मुकाबले 52.84% है। मौसम विभाग के अनुसार अभी और बारिश होने की संभावना है। बीते 24 घंटे में मंडला जिले की अलग-अलग तहसीलों में इस तरह बारिश दर्ज की गई:

मंडला: 96.6 मिमी (3.80 इंच) नैनपुर: 127.8 मिमी (5.03 इंच) बिछिया: 151.5 मिमी (5.96 इंच) निवास: 103.8 मिमी (4.08 इंच) घुघरी: 112.2 मिमी

(4.41 इंच) नारायणगंज: 56.3 मिमी (2.21 इंच) लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए मंडला कलेक्टर ने 7 और 8 जुलाई को जिले के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। साथ ही 7 से 10 जुलाई तक आंगनवाड़ी केंद्रों में भी छुट्टी रहेगी। मौसम विभाग का कहना है कि मध्य प्रदेश में एक मजबूत मौसमी सिस्टम बना हुआ है, जिसकी वजह से मंडला सहित कई जिलों में 10 जुलाई तक भारी बारिश की संभावना बनी हुई है।

खटारा बसों एवं डम्फरों पर कड़ी कार्यवाही करें : कलेक्टर

मंडला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में निर्देशित करते हुए कहा कि सभी स्कूल बसों के फिटनेस की जांच करें। खटारा बसों एवं डम्फरों पर कड़ी कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सीटबेल्ट लगाकर और हेलमेट पहनकर वाहन चलाने के लिए प्रतिदिन एक घंटे का अभियान चलाएं जिसमें लोगों को इसके लिए समझाईश दें। उन्होंने कहा कि लोडिंग तथा अनलोडिंग का समय निश्चित करें, यदि कोई ट्रांसपोर्टर निर्धारित समय के अलावा नियम उल्लंघन करता है तो उस पर नियमानुसार कार्यवाही करें।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग भोपाल ने तीन मामलो में लिया संज्ञान''

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के माननीय अध्यक्ष(कार्यवाहक) श्री राजीव कुमार टंडन ने विगत दिवस के विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित प्रथम दृष्टया मानव अधिकार उल्लंघन के 'तीन मामलों में'' संज्ञान लेकर संबंधितों से जवाब मांगा है। जिसमे 1 मामला मण्डला जिले के हैं।

आयोग ने संबंधितों से जवाब मांगा है। मण्डला - जिले के 1 मामला जो समाचार पत्रों मे प्रकाशित हुए थे जिसमें प्रथम दृष्टया मानव अधिकार का उल्लंघन है ऐसे मामले को संज्ञान मे लेकर संबंधितों से जवाब मांगा है। इस बात की जानकारी कार्यालय म. प्र. मानव अधिकार आयोग-मित्र, शिकायत प्रकोष्ठ शाखा मण्डला से प्राप्त हुई है।

बिजली जाने पर बंद हो जाती हैं मशीनें, बारिश में आए दिन बनी रहती है समस्या- मंडला जिले में जिला अस्पताल में विद्युत सप्लाई बंद होने से एक्स रे और सीटी स्कैन की जांच नहीं होने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बारिश के दिनों में विद्युत सप्लाई बंद हो जाती है, इस कारण एक्स रे और सीटी स्कैन जांच नहीं हो पाती है, जिससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने सीएमएचओ, मंडला से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

आदिवासी महापंचायत गढा-मण्डला की बैठक आदिवासी धर्मशाला महाराजपुर में संपन्न

रेवांचल टाईम्स, मंडला। आदिवासी महापंचायत गढ़ा-मण्डला के आह्वान पर 06 जुलाई 2025 को आदिवासी धर्मशाला संगमघाट महाराजपुर मण्डला में मण्डला जिले के आदिवासी समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक डॉक्टर अशोक मर्सकोले के अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें निम्न विषयों पर विचार-विमर्श उपरांत निर्णय पारित किये। जैसे कि 1- आगामी 09 अगस्त 2025 को विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम के आयोजक आदिवासी महापंचायत गढ़ा-मण्डला होगा तथा इसके बैनरतलै मण्डला जिला मुख्यालय में यह भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। मण्डला जिले के समस्त आदिवासी सामाजिक संगठन इस कार्यक्रम के संयोजक एवं सहयोगी होंगे। मूलनिवासी एस.टी. एस.सी. एवं ओ.बी.सी. समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों से आदिवासी महापंचायत द्वारा सम्पर्क एवं समन्वय स्थापित कर इस कार्यक्रम में सहभागी बनाया जायेगा। उपस्थित सभी सदस्यों ने इस विषय पर विचार-विमर्श उपरांत सर्व सहमति से प्रस्ताव किया ।2- 5 वीं अनुसूचित क्षेत्र में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13(3) क एवं 244(1) के प्रावधानों के तहत गठित पारिम्परिक रूढ़िगत आदिवासी महापंचायत गढ़ा मण्डला के संविधान एवं नियमावली में आवश्यकतानुसार सुधार करने हेतु समाज के लोगों से सुझाव प्राप्त करने के लिये एक पाँच सदस्यीय कमेटी बनाई गई है, जिसमें सदस्यगण श्री जयसिंह धुर्वे जी. तिरू. डॉक्टर अशोक मर्सकोले जी, श्री अनिल मरकाम जी, श्री हरेन्द्र मसराम जी एवं श्री दिनेश खण्डवाहे जी को उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्व सहमति से नियुक्त किया गया ।3- आदिवासी महापंचायत गढ़ा-मण्डला के प्रबंध कार्यकारिणी एवं अन्य अनुशांगिक संगठनों/उप-समितियों का आगामी कार्यकाल

10 अगस्त 2025 से 09 अगस्त 2026 तक एक वर्ष के लिये गठन हेतु उपस्थित सभी द्वारा विचार-विमर्श किये गये तथा आगामी 09 अगस्त 2025 को सर्व सहमति से प्रबंध कार्यकारिणी एवं अन्य अनुशांगिक संगठनों/उप-समितियों की घोषणा कर कार्यभार सौंपा जायेगा ।4- आगामी 09 अगस्त 2025 को विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय आदिवासी महापंचायत गढ़ा-मण्डला में संयुक्त राष्ट्र संघ के मंशानुसार आदिवासी/अनुसूचित जनजाति/मूलनिवासी सामाजिक संस्कृति को बचाने हेतु सर्व आदिवासी समाज के नेंग-सेंग (जन्म, विवाह एवं मृत्यु संस्कार) तथा तीज-त्यौहारों के कार्यक्रमों को सम्पन्न करने में एकरूपता बनाने के लिये विस्तृत नियमावली/गाईडलाईन तैयार करने हेतु उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्व सहमति से कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें सदस्यगण धनुवा लाल उईके, तेजलाल धुर्वे, रामा पन्द्रो, धनसिंह पावले, दीपक कांते, कमलकिशोर आर्मो, काशीराम तुमराली, सरिता मरावी एवं सोमवती धुर्वे को उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्व सहमति से नियुक्त किया गया है। इसमें आगामी बैठकों में दस से बीस सदस्य और जोड़े जायेंगे ।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया है कि विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम की तैयारी के लिये प्रत्येक रविवार एवं शासकीय अवकाश दिवसों पर जिला मुख्यालय मण्डला में दोपहर 12:00 बजे से बैठक होगी तथा हर सप्ताह गूगल मीटिंग भी होगी, जिसमें कार्य दायित्व के लिये विभिन्न कमेटियों का गठन भी किया जायेगा। साथ ही प्रतिदिन आदिवासी महापंचायत के पदाधिकारी एवं सहयोगी संगठन के प्रतिनिधिगण भी तैयारी के लिये अदिवासी महापंचायत गढ़ा-मण्डला के अस्थाई कार्यालय पता माँ नर्मदा नगर, पॉलीटेक्निक कॉलेज के पास, राजीव कॉलोनी, देवदरा मण्डला में दोपहर 01 बजे से रात 08 बजे तक सुविधानुसार अर्थात जो सगाजन नौकरीपेशा में नहीं है, वे दिन में दोपहर 01:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक और नौकरीपेशा वाले शाम 06:30 बजे से रात 08:00 बजे तक बैठेंगे ।इस दौरान बैठक में डॉक्टर अशोक मर्सकोले, डॉक्टर विजय धुर्वे, आई.एस. परस्ते, जयसिंह धुर्वे, मंगलसिंह करचाम, बचनसिंह मरावी, तेजलाल धुर्वे, धनुवा लाल उईके, इंजीनियर सी.एस. धुर्वे, इंजीनियर तिरेंन्द्र धुर्वे, हरेन्द्र मसराम (जनपद सदस्य), कमलेश तिलगाम, किशन उईके, दिनेश खण्डवाहे, अनिल मरकाम, प्रदीप परस्ते, सरिता मरावी, सोमवती धुर्वे, काशीराम तुमराली, टी.पी. उईके, राजेन्द्र परते, बी.आर. कुर्राम, गोपाल बछानिया, मंगलसिंह मर्सकोले, जुगलसिंह पन्द्रो, विनोद कुमार मरावी एवं सैकड़ों सगाजन उपस्थित रहे हैं।

अस्पताल में फंसी नर्स, एसडीआरईएफ की टीम ने किया रेस्क्यु, हाईवे की सड़क धंसी

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट । जिले में बीते 15 घंटे से हो रही लगातार बारिश के चलते, आम जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। जिले में शहर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रो में बारिश के चलते कई मार्ग बंद हो गए है। वहीं शहरी क्षेत्र के कन्हारटोला, भटेरा, चित्रगुप्त नगर, महावीर कॉलोनी में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से गलियों में पानी भर गया है। जिसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। जिले के बगदर्रा में आयुष्मान आरोग्य केन्द्र के आसपास और अस्पताल में पानी के घुस जाने से, अस्पताल में फंसी महिला नर्स आस्था कुंभरे को एसडीईआरएफ की टीम ने रेस्क्यु कर बाहर निकाला। नगरीय क्षेत्र में भरे पानी को लेकर नगरपालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर और प्रशासनिक अमले ने प्रभावित क्षेत्रो का दौरा किया और यहां जलभराव के निकासी के प्रबंध किए। भटेरा में जलभराव के चलते मड पंप की मदद से पानी को निकला गया। जिले में बन रहे फोरलेन के किनारा हिस्सा, तेज बारिश के कारण, धंस गया।

दरअसल, दोपहर में एसडीईआरएफ को सूचना मिली थी कि बगदर्रा के आयुष्मान आरोग्य हॉस्पिटल में अत्यधिक वर्षा होने के कारण आरोग्य हॉस्पिटल में लगभग 3 से 4 फीट पानी भर जाने से महिला नर्स आस्था कुंभरे, फंसी है। जिसके बाद एसडीईआरएफ और होमगार्ड की संयुक्त टीम, अस्पताल पहुंची और वहां फंसी नर्स को रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकलकर, उसे, उसके घर भरवेली पहुंचाया।

जिले में हो रही लगातार बारिश का असर, मार्गो पर दिखाई दे रहा है। जिले में बन रहे फोरलेन के किनारा हिस्सा, तेज बारिश के कारण, धंस गया। खुरसोड़ी सरपंच प्रतिनिधि बलराम लिल्हारे ने बताया कि खुरसोड़ी चौक से कुछ दूरी और भमोड़ी के पास हाईवे मार्ग पर सड़क धंस गई है। जिसके कारण, इसके साईड सोल्डर में डाली गई मिट्टी के बहकर खेतो में जाने से, किसानों को परेशान होना पड़ा।

लांजी क्षेत्र में कोसमारा और खोलमारा, कोकना से बिनोरा, परसवाड़ा क्षेत्र के सकरी से सेमलटोला और लालबर्रा क्षेत्र के निलजी से कट्टीटोला मार्ग बंद हो गया है। जहां होमगार्ड, एसडीईआरएफ और कोटवार को तैनात किया गया है।

राज्य व राष्ट्रीय स्तर के अबेकस, हैंडराइटिंग व क्यूब प्रतियोगिता विजेताओं का भव्य सम्मान समारोह

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। होटल मल्लिकार्जुन, बालाघाट में एक भव्य पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अबेकस, हैंडराइटिंग एवं क्यूब प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अरुण कुमार तुमसरे (प्राचार्य, पीएम श्री के.वी., बालाघाट), विशेष अतिथि तपेश असाटी (अध्यक्ष, योग योगा आयोग), राकेश सिंगारे (अध्यक्ष, श्रमजीवी पत्रकार परिषद बालाघाट) एवं हुमराज पटले (प्राचार्य, सांदीपनी विद्यालय, वारासिवनी) उपस्थित रहे। इस अवसर पर जीनियस अबेकस सेंटर के संस्थापक एवं निदेशक विजया मुकेश खोंगल तथा सह-संस्थापक मुकेश खोंगल ने विजेता बच्चों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्य अतिथियों ने अपने प्रेरक संबोधन में विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम और निरंतर अभ्यास के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। विजेता बच्चों को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चैम्पियंस ऑफ चैम्पियंस पुरस्कार से राज्य स्तर पर आर्यांश गिरी एवं राष्ट्रीय स्तर पर खनिश पाटले को सम्मानित किया गया। समारोह में प्रतिभागियों के माता-पिता एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने आयोजन को और भी गरिमामय बना दिया। आयोजकों ने भविष्य में भी इस प्रकार के प्रेरणादायक कार्यक्रमों के आयोजन का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम सरस्वती माता के पूजन एवं वंदना के साथ हुआ। जीनियस अबेकस सेंटर की निदेशक श्रीमती विजया मुकेश खोंगल ने सभी मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

उल्लेखनीय सेवाओं पर मिला सम्मान

संस्था ने अपने 33 साल के गौरवमयी क्षणों में हजारों शिविर आयोजित कर पीड़ित मानवता को किया लाभांवित

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। सामाजिक सरोकार के अंतर्गत पीड़ित मानवता की सेवा को लेकर महावीर इंटरनेशन केंद्र बालाघाट के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। बता दें कि रीजन 9 के अंतर्गत 33 वर्ष पूर्व गठित बालाघाट सेंटर के संस्थापक चेयरमेन डॉ. सीएस चतुमोहता, संस्थापक सचिव सोहन वैद्य, उपाध्यक्ष प्रणव पटेल का सम्मान 6 जुलाई को संस्था की 50 वीं स्वर्ण जयंती समारोह के दो दिनी आयोजन अवसर पर बिड़ला आडिटोरियम जयपुर किया गया।

इस अवसर पर अनिल जैन अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा अतिथि के रुप में संस्था की ओर से सम्मानित किए गए। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के बालाघाट में 33 वर्ष पूर्व स्व. त्रिलोकचंद कोचर के मार्गदर्शन में इस सेंटर की नींव रखी गई थी। पीड़ित मानवता की सेवा में संस्था ने विभिन्न शिविरों में किया पीड़ितों को लाभान्वित

अब तक के कार्यकाल में महावीर इंटरनेशनल केंद्र बालाघाट द्वारा अनेक कैंसर आपरेशन, हार्ट आपरेशन, अब तक हजारों नेत्र शिविर का आयोजन कर स्कूल शिक्षा, आदिवासियों को कंबल कपड़े, दवा, जागरुकता, प्लांटेशन, प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाए गए। वर्तमान में भी संस्था द्वारा पीड़ित मानवता की सेवार्थ कार्ययोजना तैयार कर आगामी समय में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने है।

ये है सेवा के सारथी

पीड़ित मानवता की सेवा को लेकर बालाघाट महावीर इंटरनेशनल ने कई कीर्तिमान हासिल किए है। सेवा के सारथी कदम से कदम मिलाकर मानवता की सेवा कर रहे है। इसके इतर, संस्था के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सोहन वैद्य, तीन बार अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 4 बार जोन चेयरमेंन और 20 वर्षों से गवर्निंग कौंसिल के निर्वाचित सदस्य भी है। वर्तमान में तरुण सुराना अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अभय सेठिया जोन चेयरमेन है। स्वर्णजयंती समारोह में दीपक हीरावत, राकेश सचान, विशाल खोगल, अंकित नाहर सहित अन्य लोग मौजूद थे। जानकारी के अनुसार इस एतिहासिक आयोजन में देश भर से 1300 से अधिक डेलीगेट्स शामिल हुए थे। इस अवसर पर तरुण सुराना को विशिष्ट सेवा पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है।

लालबर्रा महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में 07 जुलाई को नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत के निर्देशन में मॉ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन पूजन अर्चन कर किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. खण्डायत द्वारा अपने उद्बोधन में नवप्रवेषित छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय का संपूर्ण परिचय दिया गया। इसके साथ ही मप्र उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक संस्थान के लिए विजन-मिशन, शासन द्वारा छात्र-छात्राओं की विभिन्न योजनाओं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में महाविद्यालय के लक्ष्य एवं महाविद्यालय के परिवेश से परिचित कराया गया। महाविद्यालय के जनभागीदारी के समिति के सदस्य सरोवर टेंभरे ने अपने उद्बोधन में महाविद्यालय के गरिमामयी इतिहास के बारे में जानकारी प्रदान की। जनभागीदारी समिति के सदस्य व महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र प्रकाश राहंगडाले ने महाविद्यालय की शिक्षण व्यवस्था के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

दीक्षारंभ कार्यक्रम को सफल बनाने में पीतम मुरते, यादो राव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, लकेश गेड़ाम, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, मीनेश पंचेश्वर, कु. सोनम हरिनखेड़, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

जिले में बारिश का कहर, स्कूली विद्यार्थियों के लिए दो दिनो का अवकाश घोषित, जिले में पुलो में बड़ा पानी

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिले में रविवार की रात से हो रही लगातार बारिश के चलते अतिवर्षा से जिले में हालत खराब है। जहां बीते दिवस एक शिक्षक की नाले में बहने से मौत की घटना हो चुकी है, वहीं लगातार हो रही बारिश के चलते शहरी क्षेत्र से अलावा ग्रामीण क्षेत्रो के नालो से ऊपर पानी बह रहा है, जिससे क्षेत्र में ग्राम कोटवारो को तैनात कर नजर रखी जा रही है। कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार जिले में 07 जुलाई को भारी वर्षा की संभावना है। बीते 24 घंटे में लगभग तीन इंच से ज्यादा बारिश हो गई है। जिले 7 जुलाई तक, 300 मिलीमीटर औसत वर्षा हो चुकी है। जिले में भारी वर्षा के कारण विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए 7 एवं 8 जुलाई को सभी शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त, सीबीएसई, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया जाता है।

लगातार हो रही बारिश से नगर के वार्ड क्रमांक 06 चित्रगुप्त नगर में बाड़ जैसे हालत पैदा हो गए है। यहां सड़कों से लेकर खाली मैदान में पानी ही पानी नजर आ रहा है, पानी की समुचित निकासी नहीं होने से बारिश का पानी लोगों के घर में घुस गया है। जिससे लोगों ने नगरपालिका पर नाराजगी जाहिर की है। लोगों का कहना है कि बारिश से पूर्व, पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं किए जाने से यह हालत पैदा हुए है।

जिले में रविवार की रात से हो रही लगातार बारिश के चलते, ग्रामीण क्षेत्रो में भी हालत खराब है। अतिवर्षा से लांजी के शांतीबाई का मकान आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। बात करें बिरसा तहसील की तो यहां ग्राम जानपुर से करहू मार्ग हो गया है, इन मार्गो को जोड़ने वाले पुल पर पानी है। इसी तरह से ग्राम भण्डारपुर से चारटोला मार्ग भी बंद हो गया है, यहां भी पुल पर पानी भरा है। ग्राम पल्हेरा से कटंगी मार्ग बंद हो गया है। यहां के पुल से भी पानी बह रहा है। इसी तरह ग्राम हर्राभाट से जैरासी मार्ग भी बंद हो गया है, यहां भी पुल पर पानी है। ग्राम रमगड़ी से बीजाटोला मार्ग पर पड़ने वाले पुल पर पानी होने से यह मार्ग भी आवागमन की दृष्टि से बंद हो गया है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रो में मुख्यालय और गांवो के बीच संपर्क पूरी तरह से टूट गया है। परसवाड़ा क्षेत्र के डोरा से चिंखलाझोडी सड़क नाहरा नाला के ऊपर से 3 फिट पानी जा रहा है। बासी से आमवाही के पुल के ऊपर से 4 फिट पानी बह रहा है।

24 घंटे में यहां गिरा इतना पानी

भू-अभिलेख से मिली जानकारी अनुसार 24 घंटे के दौरान बालाघाट तहसील में 145 मिलीमीटर, वारासिवनी में 155 मिलीमीटर, बैहर में 87 मिलीमीटर, लांजी में 20 मिलीमीटर, कटंगी में 27 मिलीमीटर, किरनापुर में 112 मिलीमीटर, खैरलांजी में 48 मिलीमीटर, लालबर्रा में 107 मिलीमीटर, बिरसा में 87 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 85 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी तहसील में 52 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। जिसमें सबसे अधिक 155 मिलीमीटर वर्षा वारासिवनी तहसील में रिकॉर्ड की गई है।

जिले में सबसे ज्यादा बालाघाट में हुई बारिश

चालू वर्ष सत्र में 01 जून से 07 जुलाई तक बालाघाट तहसील में 484 मिलीमीटर, वारासिवनी में 400 मिलीमीटर, बैहर में 407 मिलीमीटर, लांजी में 145 मिलीमीटर, कटंगी में 96 मिलीमीटर, किरनापुर में 388 मिलीमीटर, खैरलांजी में 112 मिलीमीटर, लालबर्रा में 379 मिलीमीटर, बिरसा में 361 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 388 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी तहसील में 143 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है । इस प्रकार जिले में चालू वर्षा सत्र में अब तक कुल 300 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। चालू वर्ष सत्र में जिले में सबसे अधिक 484 मिलीमीटर वर्षा बालाघाट तहसील में और सबसे कम 96 मिलीमीटर वर्षा कटंगी तहसील में रिकॉर्ड की गई है।

महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में की गई वृद्धि, विद्यार्थी 7 से 10 जुलाई तक कर सकेंगे ऑनलाइन पंजीयन, 21 जुलाई को होगा सीट आवंटन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 में महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में वृद्धि की है। उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर (पीजी) सत्र 2025-26 में ऑनलाइन प्रवेश अंतर्गत सीएलसी चरण के लिए अद्यतन समय सारणी जारी की गई है। जारी समय सारणी के अनुसार, सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में एवं मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी 07 से 10 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन, आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 7 से 11 जुलाई तक होगा। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार के दिनांक, स्थान एवं समय की सूचना 14 जुलाई को दी जाएगी। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के साक्षात्कार एवं पोर्टल पर अंकों की प्रविष्टि 16 से 17 जुलाई तक होगी। विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में सीट का आवंटन 21 जुलाई को होगा। आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 21 से 25 जुलाई तक किया जा सकेगा। आवंटित महाविद्यालय में शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि तक प्रवेश शुल्क का भुगतान किए गए आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा और प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने की दशा में प्रवेश नहीं माना जाएगा।

बाढ़ आपदा राहत के लिए कंट्रोल रूम के दूरभाष नम्बर 07632-240102 पर से किया जा सकता है सम्पर्क

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। वर्षा ऋतु के दौरान बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदा की स्थिति निर्मित होने पर बचाव एवं राहत के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाया गया है। कंट्रोल रूम से दूरभाष नम्बर 07632-240102 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

संपादकीय

अधिकारों की निशानदेही

अपने अधिकारों की निशानदेही करते हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने प्राकृतिक आर्थिकी के महत्त्व को पुनः रेखांकित किया है। मौसम बरसात का था, तो तपोवन का विधानसभा परिसर बता रहा था कि पर्वत के आकाश पर कितनी बड़ी छतरी होती है, जो देश के आंचल को बचा सकती है। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन की नींव पर हिमाचल दरअसल पर्वतीय एहसास करा रहा है। जितनी जरूरी हैं पर्यावरण संरक्षण की नीतियां, उतनी ही जरूरी हैं पर्वतीय राज्यों के लिए अलग नीतियां। पर्वतीय राज्य हर सूरत और सीरत में पर्यावरण राज्य हैं। हिमालय के सारे वरदान देश को मिलते हैं, तो सिसकियां क्यों अकेली इनके नाम छोड़ दी जातीं। अभी बरसात के आगमन के आरंभिक दौर ने ही हिमाचल की संपत्तियों को लूट लिया, तो आपदा के अनुमान का राष्ट्रीय गणित ईमानदार होना चाहिए। एक हफ्ते ने हजार करोड़ की चपत नहीं लगाई, बल्कि जीवन की हर उमंग को रोक दिया। प्रदेश की रफ्तार घर से सरकार तक रुकती है, तो इन घावों पर मरहम की दरकार रहती है। यह उस इंतजार का प्रतिफल है जो ग्रीष्म काल में मैदानी मिट्टी का सीना सुखा देता है, जल संकट से देश के अस्सी फीसदी भाग को मुर्झा देता है, कई राज्यों के बीच तनाव बढ़ जाते हैं और तब एक पुकार ह्यअल्लाह मेघ दे-पानी देह्न की होने लगती है, लेकिन जब बरसात आती है तो पहाड़ की कीमत व दौलत भुला दी जाती है। पानी की कीमत अंतरराष्ट्रीय राजनय के बल सीधे कर सकती है, तो घरेलू मसलों को क्यों नहीं। जल को संसाधन मानने के लिए सर्वप्रथम उन मसलों को देख लें, जहां कई प्रदेश सरकारें माननीय सर्वोच्च न्यायालय की फाइलों में माथा रगड़ रही हैं। पंजाब-हरियाणा व दक्षिण भारत के कई राज्यों के बीच जल बंटवारों का निष्पादन अगर ह्यसंपत्ति के हकह्न की तरह है, तो सर्वप्रथम यह हिमालय का हक है, हिमालय को बचाने वाले राज्यों का अधिकार है। भले ही हिमाचल की लोकसभा में चार सीटें हैं, लेकिन पूरे हिमालयी राज्यों की चालीस से 42 संसदीय सीटों के पर्वतीय सरोकार एक जैसे हैं। ऐसे में अगर हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरणीय वजूद जिंदा रखते हुए आर्थिक व विकासात्मक संरचना का उत्थान करना है, तो केंद्र में एक स्वतंत्र ह्यपर्वतीय विकास मंत्रालयह्न के गठन की जरूरत है। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि पंजाब के कंडी क्षेत्र व पश्चिमी बंगाल के दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, रिम्बिक, कुर्सियांग व संदकफू जैसे इलाकों का विकास भी मैदानी शर्तों पर नहीं हो सकता। दूसरी ओर भले ही कश्मीर और पूर्वोत्तर की अशांति को ढांपने के लिए केंद्र की आर्थिक मदद काम कर जाए, लेकिन पूरे हिमालय क्षेत्र को न्याय देने के लिए ह्यपर्वतीय विकास मंत्रालयह्न की स्थापना वक्त की जरूरत है। अतीत में प्रेम कुमार धूमल के मुख्यमंत्रित्व काल में हिमालयी राज्यों की सांस्कृतिक, आर्थिक व सामाजिक पृष्ठभूमि के सूत्र जोड़ते हुए चकमोह कालेज में एक प्रभावशाली समारोह हुआ था, कमोबेश उसी भावना के उद्गार तपोवन परिसर में प्रदेश के मुख्यमंत्री को उद्वेलित करते हैं। शांता कुमार के जिस मांग पत्र व प्रयास से मुफ्त बिजली की रायल्टी से हिमाचल आगे बढ़ा, उस एहसास की पुनरावृत्ति अब जल संपत्ति में राज्य के स्वाभिमान को खड़ा कर रही है। इसी संदर्भ में तपोवन की भूमिका ने पहाड़ी राज्यों की पहचान का परचम ऊंचा किया है। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ सम्मेलन का आयोजन करवाकर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने तपोवन परिसर की प्रासंगिकता बढ़ा दी है। लोकतांत्रिक परंपराओं के आंचल की तरह इस परिसर ने ये लम्हे समेटे हैं। जाहिर तौर पर आगे प्रयास होंगे तो तपोवन परिसर की गतिविधियों में राष्ट्रीय स्तर के ऐसे ही कुछ अन्य व विधायकों के प्रशिक्षण के कार्यक्रमों का संचालन भी शुरू हो पाएगा।

दलाईलामा के पुनर्जन्म का मामला और चीन

1995 में दलाईलामा ने तिब्बत में ही अवतार लिए एक छह वर्षीय बच्चे की पहचान 11वें पंचेन लामा के रूप में की। चीन सरकार ने उसे पूरे परिवार समेत कैद कर लिया और उसे गायब कर दिया था। इसके स्थान पर चीन सरकार ने एक दूसरे बच्चे को अवतार घोषित कर दिया। तब से असली पंचेन लामा का किसी को पता नहीं है और चीन द्वारा घोषित दलाईलामा को तिब्बत के लोगों की मान्यता नहीं है। चीन पंद्रहवें दलाईलामा के मामले में भी यही कहानी दोहरा सकता है। यही कारण है कि वर्तमान दलाईलामा ने बहुत कुछ स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका किसी गुलाम देश में पुनर्जन्म नहीं होगा।

तिब्बत के चौदहवें दलाईलामा तेनजिंग ग्याछो ने अपनी आयु के नब्बे साल पूरे कर लिए हैं। वे तिब्बत के आध्यात्मिक मार्गदर्शक हैं और राजधर्म के हिसाब से तिब्बत के वास्तविक शासक भी हैं। लेकिन चीन के गृहयुद्ध में जीत जाने के बाद कम्युनिस्ट पार्टी ने तिब्बत को स्वतंत्र देश मानने की बजाय उसे चीन का ही हिस्सा कहना शुरू कर दिया था। स्वाभाविक ही तिब्बत ने इसका विरोध किया। लेकिन चीन ने तिब्बत को दो विकल्प दिए थे। पहला आत्मसमर्पण का था। आत्मसमर्पण यानी तिब्बत सरकार खुद ही घोषणा कर दे कि तिब्बत चीन का हिस्सा है, जिसे यूरोप की साम्राज्यवादी ताकतों ने मातृभूमि चीन से दूर कर रखा था। दूसरा विकल्प युद्ध का ही था। लेकिन तिब्बत इतने बड़े चीन से लड़ भी नहीं सकता था।

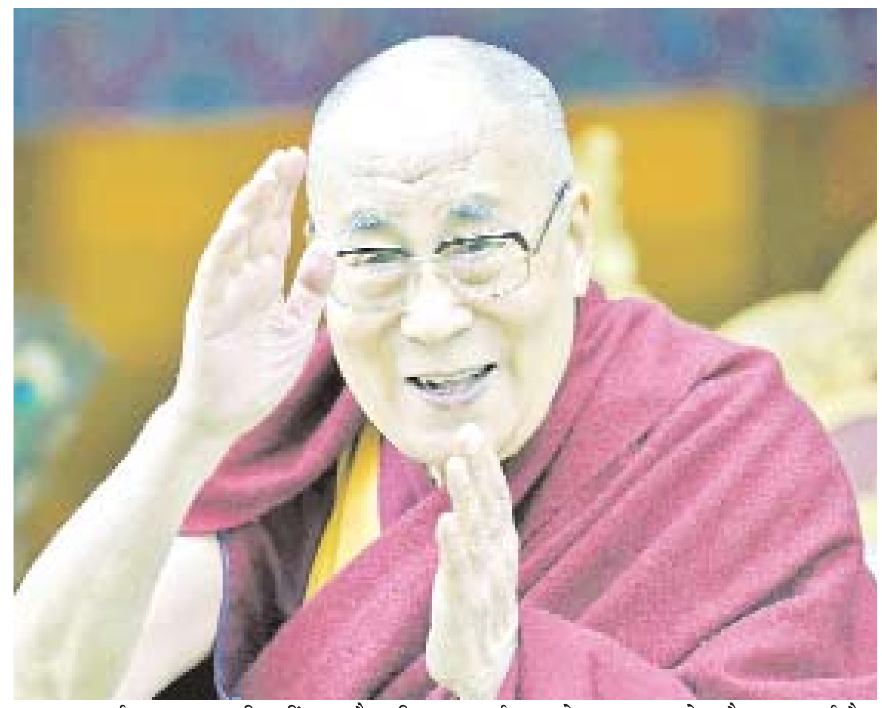

आत्म समर्पण का प्रश्न ही नहीं था और चीन से लड? की क्षमता नहीं थी, ऐसी हालत में उसने अपनी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भारत की ओर देखा। लेकिन दुर्भाग्य से भारत ने तिब्बत की ओर नहीं देखा। भारत द्वारा उस समय तिब्बत की ओर न देखने का भारत और तिब्बत दोनों को ही बहुत नुकसान उठाना पड़ा। तिब्बत की आजादी गई। चीन ने तिब्बत पर कब्जा कर लिया और 1959 में दलाईलामा को भाग कर भारत आना पड़ा। उनके साथ लगभग एक लाख तिब्बती शरणार्थी भी भारत पहुंचे। यह तो तिब्बत का नुकसान था।

जहां तक भारत का सवाल है, चीन ने भारत के अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख के कुछ हिस्सों पर भी अपना दावा कर दिया। 1962 में चीन ने भारत पर हमला कर दिया। भारत के कुछ भू-भाग पर कब्जा भी कर लिया और सदा के लिए भारत के शांत सीमांत को अशांत कर दिया। भारत ने दलाईलामा को जब शरण दी तब उनकी आयु पच्चीस साल के लगभग थी। उन्होंने धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन का सचिवालय स्थापित किया। निर्वासित तिब्बती सरकार में चुनाव का प्रावधान किया। तिब्बती संविधान बनाया गया। तिब्बती संसद का भवन बना। विभिन्न मंत्रालय स्थापित हुए। भारत सरकार ने शरणार्थी तिब्बती नागरिकों को दस्तावेज मुहैया करवाए जिन पर वे तिब्बत के नागरिक के रूप में वीजा लेकर दूसरे देशों की यात्रा कर सकते थे। दूसरे देशों में दूतावास स्थापित किए। नरेन्द्र मोदी ने जब 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की थी तो पड़ोसी देशों के प्रधानमंत्री भी निमंत्रित किए गए थे। उनमें निर्वासित तिब्बत सरकार के प्रधानमंत्री भी थे। लेकिन यह सारी व्यवस्था की अनुमति भारत सरकार ने दलाईलामा के प्रशासन को मुहैया करवाई है। आधिकारिक रूप से भारत सरकार तिब्बत की निर्वासित सरकार को मान्यता नहीं देती। यह दलाई लामा का प्रशासन है और दलाई लामा भारत के सम्मानित अतिथि हैं, इसलिए सरकार ने उन्हें अपना प्रशासन स्थापित करने और चलाने की अनुमति दी है। लेकिन अब दो समस्याएं सामने दिखाई देने लगी हैं। चौदहवें दलाई लामा के बाद क्या? जाहिर है यह चिंता वर्तमान दलाईलामा की आयु के कारण ही दिखाई देने लगी है। क्या दलाई लामा के निधन के बाद यह संस्था समाप्त हो जाएगी? यह बहस पिछले कुछ सालों से चल रही है। दलाई लामा कई बार कह चुके हैं कि इस संस्था के भविष्य का निर्णय तिब्बत के लोग ही करेंगे। अपने 90वें जन्म दिन के अवसर पर दलाई लामा ने इस बहस का अंत कर दिया है। उन्होंने कहा मैं पिछले चौदह साल से इस बहस में चुप ही रहा। लेकिन इतने साल मुझे हजारों तिब्बतियों, लामाओं ने इस संस्था को जारी रखने का निर्णय किया है। संस्था को जारी रखने का अर्थ है कि दलाई लामा अपने निधन के बाद पुनः जन्म लेंगे।

दलाई लामा महात्मा बुद्ध के करुणा स्वरूप के अवतार माने जाते हैं। उन्हें विष्णु का अवतार भी माना जाता है। दलाई लामा बोधिसत्व हैं। बोधिसत्व से अभिप्राय है कि वर्तमान दलाईलामा का निर्वाण होगा, यानी जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाएंगे। लेकिन बोधिसत्व पुनः जन्म लेता है क्योंकि उसे इस मृत्युलोक में रह गए शेष लोगों को भी मुक्ति का मार्ग दिखाना है। जाहिर है जब तक तिब्बत ही गुलाम है तब तक दलाई लामा अपने निर्वाण से ही कैसे संतुष्ट हो सकते हैं? इसलिए दलाईलामा ने स्पष्ट कर दिया है कि यह संस्था जारी रहेगी जिसका अर्थ है कि वर्तमान दलाईलामा पुनर्जन्म लेंगे। जाहिर है चीन के लिए यह सूचना सुखद नहीं है। दूसरी समस्या थोड़ी और गुंझलदार है। पुनर्जन्म में दलाईलामा पहचाने कैसे जाएंगे? सामान्य उत्तर तो यही है कि जिस विधि से आज तक के चौदह दलाईलामाओं के पुनर्जन्म की पहचान होती रही है, उसी पद्धति से ही पंद्रहवें दलाईलामा की पहचान होगी। यह ठीक है कि दलाई लामा के नए अवतार को पहचानने की एक पूरी विधि तिब्बत में शताब्दियों से प्रचलित है। अपने अगले जन्म के कुछ संकेत तो पूर्ववर्ती दलाईलामा स्वयं दे जाते हैं। शेष पद्धति निश्चित है। लेकिन इस बार संकट के कारण कुछ दूसरे हैं। चीन ने 2007 में स्पष्ट कर दिया था कि नए दलाई लामा की पहचान करने का अंतिम अधिकार चीन सरकार के पास ही है। नए दलाई लामा के अवतार ग्रहण करने पर अव्वल तो उसकी पहचान ही चीन सरकार करेगी, लेकिन यदि तिब्बत के लामा अपनी प्राचीन प्रचलित पद्धति से पहचान कर भी लेते हैं तो उसको मान्यता देने का अधिकार तो चीन के पास ही है। चीन इसे स्वर्ण घट पद्धति कहता है। सोने के घड़े में नाम डाल कर जिसकी पर्ची निकल आए, उसके पक्ष में निर्णय करना। वैसे आश्चर्य इस बात का भी है कि आत्मा, परमात्मा, पुनर्जन्म इत्यादि अवधारणाओं को सिरे से नकारने वाला चीन अध्यात्म के इस धार्मिक मामले का भी नियंत्रण करना चाहता है।

ऐसा हादसा इससे पहले पंचेन लामा के बारे में हो चुका है। दसवें पंचेन लामा के देहांत के बाद उनके अवतार ग्याहरवें पंचेन लामा की पहचान की पद्धति में अंतिम निर्णय दलाईलामा का ही होता है। 1995 में दलाईलामा ने तिब्बत में ही अवतार लिए एक छह वर्षीय बच्चे की पहचान 11वें पंचेन लामा के रूप में की। चीन सरकार ने उसे पूरे परिवार समेत कैद कर लिया और उसे गायब कर दिया था। इसके स्थान पर चीन सरकार ने एक दूसरे बच्चे को अवतार घोषित कर दिया। तब से असली पंचेन लामा का किसी को पता नहीं है और चीन द्वारा घोषित दलाईलामा को तिब्बत के लोगों की मान्यता नहीं है। चीन पंद्रहवें दलाईलामा के मामले में भी यही कहानी दोहरा सकता है। यही कारण है कि वर्तमान दलाईलामा ने बहुत कुछ स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका किसी गुलाम देश में पुनर्जन्म नहीं होगा। जाहिर है कि उनका अभिप्राय चीन की गुलामी में फंसे तिब्बत से ही है। वे चीन में भी जन्म नहीं लेंगे। वे भारत में भी जन्म ले सकते हैं। इससे पहले भी छठे दलाईलामा का जन्म भारत में ही हुआ था। वर्तमान दलाईलामा ने गादेन फोडरंग न्यास की स्थापना की हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुनर्जन्म के बाद पहचान, यह न्यास ही प्राचीन तिब्बती पद्धति का अनुसरण करते हुए करेगा। चीन को दलाईलामा की यही घोषणा संकट में डाल रही है।

राशिफल

मेष राशि :- तनाव, रोग, उदर विकार, लाभ, राजभय, दाम्पत्य जीवन पूर्ण संतोष प्रद बना रहेगा।

वृष राशि :- शत्रुभय, सुख, मंगल कार्य, विरोध, मामले-मुकदमे में प्रायः जीत की सम्भावना बनेगी।

मिथुन राशि :- कुसंग, हानि, रोग, भय, यात्रा, उद्योग, व्यापार की स्थिति लाभ-हानि ही बनी रहेगी।

कर्क राशि :- पराक्रम, कार्यसिद्ध, व्यापार लाभखेती व गृह कार्य में व्यवस्था निश्चय होवेंगी।

सिंह राशि :- तनाव, प्रवास से बचें, विरोधी, चिन्ता, उद्योग तथा व्यापार से लाभ होवेंगा।

कन्या राशि :- भूमि लाभ, स्त्री सुख, हर्ष, उद्योग व्यापार में अड़चने होगी, कार्य बनेंगे।

तुला राशि :- प्रसंग, वाहन भय, भूमि लाभ, कलह, व्यर्थ तनाव तथा खेती में परेशानी होवेंगी।

वृश्चिक राशि :- कार्य सिद्ध, विरोध, लाभ, हर्ष, कष्ट होगा, व्यापार में सुधार, तथा खर्च होवेगा।

धनु राशि :- यात्रा में हानि, मातृ-पितृ कष्ट, व्यय, लिखा पढ़ी से लाभ होगा।

मकर राशि :- शुभ कार्य, वाहनादि रोग भय, नौकरी की स्थिति सामान्य बनी ही रहेगी।

कुंभ राशि :- अभीष्ट कार्य सिद्धी, राजभय, कार्य तथा धार्मिक व कुछ अच्छे कार्य बनेंगे।

मीन राशि :- तनाव, उदर रोग, विरोध, मित्र लाभ, राजभय, जीवन यात्रा संतोष प्रद बनी रहेंगी।

पुरुषों को पता भी नहीं चलता डिप्रेशन के ये 6 बड़े लक्षण, बढ़ जाता है चिड़चिड़ापन

आज के समय में ज्यादातर लोग मेंटल हेल्थ की समस्या से जूझ रहे हैं। शारीरिक बीमारियों की तरह ही मानसिक बीमारी भी काफी महत्वपूर्ण है। मानसिक तनाव का शिकार आजकल सभी लोग हो रहे हैं। पुरुषों में भी डिप्रेशन एक गंभीर बीमारी है। आज हम इस लेख में मर्दों में होने वाले डिप्रेशन के लक्षण बताएंगे। डिप्रेशन एक मानसिक बीमारी है जो आज के समय में ज्यादातर लोग इससे जूझ रहे हैं। शारीरिक बीमारी की तरह ही मानसिक बीमारीभी बेहद महत्वपूर्ण है। अगर डिप्रशेन जैसी मानसिक बीमारी की बात करें तो, इसके लक्षण पुरुष और महिला में अलग-अलग देखने को मिलते है। पुरुषों में डिप्रेशन होना एक गंभीर बीमारी है, इस आर्टिकल में हम आपको पुरुषों में होने वाले डिप्रेशन के लक्षण बताएंगे।

गुस्सा और चिड़चिड़ापन : आमतौर पर पुरुषों में डिप्रेशन का प्रमुख लक्षण गुस्सा और चिड़चिड़ापन होता है। इस परिस्थिति में गुस्सा और चिड़चिड़ापन नियंत्रण से बाहर चला जाता है।

थकान : पुरुषों में डिप्रेशन के दौरान थकान ज्यादा होती है। इस चीज मर्द लोग हल्के में लेते हैं। पुरुषों में डिप्रेशन के कारण हमेशा थकान महसूस होती है। इस लक्षण को बिलकुल भी नजरअंदाज न करें।

चिंता करना : ज्यादातर पुरुष चिंता में रहते हैं और बार-बार चिंता करना डिप्रेशन के लक्षणों में से एक है। चिंता करने से कई खतरनाक बीमारियां होने का खतरा रहता है, जैसे ह्रदय संबंधित बीमारी और पैनिक अटैक के लक्षण देखने को मिल सकते हैं।

यौन इच्छा और प्रेम की भावना खत्म होना

पुरुषों में डिप्रेशन के चलते यौन इच्छा और प्रेम की भावना खत्म हो जाती है। जो कि सही नही है। धीरे-धीरे यौन उत्तेजना खत्म होने लगती है। पार्टनर के साथ कम सेक्स ड्राइव होना।

अकेलापन महसूस करना

पुरुषों में डिप्रेशन होने पर अक्सर मर्द उदास, अकेला और निराश महसूस करने लगते हैं। डिप्रेशन के चक्कर में पुरुष लोग ध्यान नहीं लगा पाते। ऐसी स्थिति में पुरुष किसी चीज में भी ध्यान नहीं लगा पाते हैं।

बरसात में घर के अंदर कपड़े सुखाने से आती है बदबू तो इन आसान ट्रिक्स को आजमाएं

मानसून के मौसम में सबसे ज्यादा समस्या होती है कपड़ों को सुखाने की। बाहर बारिश की बूंदें होती हैं और इसलिए हम बालकनी में कपड़े नहीं सुखा सकते। अमूमन ऐसे में हम घर के अंदर कपड़े सुखाना पसंद करते हैं। भले ही मजबूरी में कपड़े घर के अंदर ही सुखाने पड़ते हैं, लेकिन इससे कपड़ों को वह धूप नहीं मिल पाती है। धूप और हवा के अभाव में कपड़ों से एक अजीब सी स्मेल आने लगती है। इस तरह कपड़ों को धोने व सुखाने के बाद भी उन्हें पहनने का मन नहीं रकता है। हो सकता है कि आप भी इन दिनों ऐसी ही परेशानी से जूझ रही हों, लेकिन आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, ऐसे कुछ घरेलू उपाय हैं, जिनकी मदद से आप कपड़ों से आने वाली इस बदबू वाली प्रॉब्लम से आराम से छुटकारा पा सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ आसान उपाय के बारे में बता रहे हैं–

सिरके का करें इस्तेमाल : कपड़ों से आने वाली बदबू का ख्याल रखने के लिए सिरके का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए

आप कपड़ों को धोते समय आखिरी बार उन्हें रिंस करने के लिए पानी में आधा कप सफेद सिरका डालें। भले ही आप वॉशिंग मशीन में कपड़े धो रहे हों या फिर बाल्टी में। सिरका उन बैक्टीरिया को मारता है जो कपड़ों में सीलन की बदबू लाते हैं।

खिड़की या पंखे के पास सुखाओ : अगर आप मानसून में कपड़ों को घर के अंदर सुखा रहे हैं तो इस बात का खास ख्याल रखें कि आप कपड़े हमेशा खुली खिड़की, बालकनी या पंखे के पास ही टांगे। ऐसा करना ज्यादा अच्छा माना जाता है। दरअसल, ताजी हवा जल्दी नमी सुखाती है और कपड़े बदबूदार नहीं होते।

वॉशिंग में बेकिंग सोडा डालो : कपड़ों से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप डिटर्जेंट के साथ 1-2 चम्मच बेकिंग सोडा मिला दो। बेकिंग सोडा की खूबी यह होती है कि बदबू को खत्म करता है और कपड़ों को फ्रेश रखता है।

ग्लोइंग स्किन पाने की है चाहत तो घर पर बनाएं नाइट क्रीम, मिलेगी खिली-निखरी त्वचा

अगर आप भी अपनी त्वचा को ग्लोइंग और खूबसूरत बनाना चाहती हैं, तो तो हम आपको एक नाइट क्रीम के बारे में बताने जा रहे हैं। आप इसे घर पर नेचुरल चीजों के से बनाकर तैयार कर सकती हैं।हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा पाने के लिए स्किन का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। वहीं गर्मियों के मौसम में धूप-धूल और पसीने के कारण हमारी स्किन डार्क नजर आने लगती हैं। ऐसा इसलिए भी होता है, क्योंकि हम अपनी त्वचा का सही से ध्यान नहीं रख पाते हैं। जिसके कारण स्किन पर खुजली और रेडनेस की समस्या हो जाती है। ऐसे में त्वचा को खूबसूरत और नेचुरली ग्लोइंग बनाने के लिए जरूरी होता है, हमारी स्किन अंदर से हेल्दी हो। ऐसे में स्किन केयर रूटीन जरूर फॉलो करना चाहिए।जिससे कि पूरे दिन की थकान के बाद त्वचा रिलैक्स कर सके और आपकी स्किन हाइड्रेट रहे। ऐसे में अगर आप भी अपनी त्वचा को ग्लोइंग और खूबसूरत बनाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक नाइट क्रीम के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसको आप घर पर नेचुरल चीजों के इस्तेमाल से बनाकर तैयार कर सकती हैं। साथ ही यह भी जानेंगे कि इसका किस तरह से इस्तेमाल करना चाहिए।

नाइट क्रीम सामग्री

ओट्स- 2 चम्मच नींबू का छिल्का, फ्लैक सीड्स- 1 चम्मच, एलोवेरा जेल- 1 चम्मच, एसेंसिशयल ऑयल- 3 से 4 बूंदे, कॉटन का कपड़ा

बनाने का तरीका

इस क्रीम को बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में फ्लैक सीड्स और ओट्स को डालें। फिर एक कप पानी डालकर नींबू के छिलके को पैन में डाल दें और इसको गैस पर चढ़ा दें। अब पानी को तब तक पकाएं, जब तक यह पानी एकदम गाढ़ा न हो जाए। फिर जब पानी गाढ़ा हो जाए, तो इसको कॉटन के कपड़े से छान लें। अब इसको एक कटोरी में निकालकर इसमें एलोवेरा जेल मिक्स कर लें। साथ ही इसमें एसेंसिशल ऑयल भी मिला लें। अब आपकी क्रीम बनकर तैयार है, इसको एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें।

इस शख्स के लिए आज तक नहीं बनी कोई स्थानांतरण नीति

वनपरिक्षेत्र शाहपुर में वनरक्षक मनोज दुबे बैठा अंगद की तरह पैर जमाए

दैनिक रेवांचल टाइम्स डिंडोरी। आदिवासी बाहुल्य जिला डिंडोरी के भ्रष्ट तंत्र पर हो रहे है, कई पटाछेप किंतु बेशर्मी का मुखौटा ओढ़े इन भ्रष्ट करिंदे नहीं आ रहे,अपनी हरकतों से बाज! हम बात कर रहे हैं वनपरीक्षेत्र शाहपुर में पदस्थ वनरक्षक मनोज दुबे की, जो कि लगभग 10 वर्षों से एक ही जगह पर अंगद की तरह पैर जमाए बैठे हुए है, न जाने इस शख्स को किसका संरक्षण प्राप्त है,जो कि पिछले दिनों इसका स्थानांतरण वनपरिक्षेत्र समनापुर के बीट जीलंग में होने के बावजूद इन्हें आज तक कार्य मुक्त नहीं किया गया! स्थानांतरण आदेश 07/07/2023 जो की तमाम जिम्मेदार अधिकारियों सहित भाजपा जिला अध्यक्ष को भी सूचनार्थ किया गया था, इन सब के बावजूद इस शख्स का एक ही जगह पर पिछले 10 वर्षों से अंगद की तरह जमे रहना कहीं ना कहीं बाबू की कुर्सी का मोह या मलाईदार पद माना जा सकता है, अभी पिछले दिनों जिले के तमाम विभागों के ऐसे अधिकारी/कर्मचारी जो एक ही जगह पर 3 वर्ष या उससे अधिक समय से सेवाएं दे रहे थे, इन सभी को शासन के दिशा निदेर्शों के अनुसार स्थानांतरित कर दिया गया !किंतु इस शख्स के सामने शासन के सभी दिशा निर्देश बौने साबित हो रहे हैं,जो अपने आप में कई गंभीर सवाल खड़े कर रहे है! अब देखना यह होगा की खबर प्रकासन के बाद जिला प्रशासन हरकत में आता है, कि यूं ही सब चलता रहेगा जैसा चल रहा था!

ढीमरखेड़ा तहसील के महनेर में जलभराव की त्रासदी

नर्मदा घाटी प्राधिकरण के अधिकारियों की लापरवाही से 200 किसानों की फसल बर्बाद

ध्वस्त नहरें, बंद नालियां और अधिकारियों की लापरवाही से खेतों में भरा पानी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, ढीमरखेड़ा। नर्मदा घाटी प्राधिकरण क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले महनेर गांव के किसानों के लिए इस बार बारिश राहत नहीं, बल्कि मुसीबत बनकर आई है। क्षेत्र में लगातार जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे लगभग 200 से अधिक किसान बुरी तरह प्रभावित हो चुके हैं। खेतों में पानी भर जाने से खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित हुई है, जबकि पहले से लगी मूंग और उड़द की फसलें सड़ चुकी हैं।

गांव के किसानों ने बताया कि जल निकासी की कोई उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पूरे खेत तालाब में तब्दील हो गए हैं। वर्षों पहले विभाग द्वारा जो नाली खुदवाई गई थी, वह अब मिट्टी, घास और मलबे से पूरी तरह बंद हो चुकी है। अब उसमें से पानी निकलने की कोई संभावना नहीं बची है। स्थिति यह हो गई है कि पानी का बहाव पूरी तरह से रुक गया है और खेतों में जमा हुआ पानी 15-20 दिनों से सूख ही नहीं रहा। किसानों का आरोप है कि शासन द्वारा हर साल नहरों और नालियों के मेंटेनेंस के लिए बजट स्वीकृत किया जाता है, लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण वह पैसा जमीन पर दिखाई नहीं देता। ग्रामीणों ने बताया कि नहरों की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि कुछ हिस्सों में वे पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी हैं, जबकि कई जगहों पर दरारें आ गई हैं। इन दरारों से पानी बहकर सीधे खेतों में पहुंच रहा है, जिससे और भी अधिक नुकसान हो रहा है। इतना ही नहीं, क्रॉसिंग के लिए जो ढोला या पुलिया लगाए जाने थे, वे अब तक नहीं लगाए जा सके हैं। इससे ग्रामीणों को पैदल भी चलने में कठिनाई हो रही है। मवेशियों और वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। और आपातकालीन स्थितियों में लोगों को भारी संकट झेलना पड़ रहा है।

हर बार बनती है यही स्थिति

किसानों का कहना है कि यह स्थिति कोई पहली बार निर्मित नहीं हुई है बल्कि हर बार इस तरह के हालात निर्मित होते है बावजूद इसके अधिकारियों को किसी तरह का कोई सरोकार नहीं है। हर वर्ष इसी प्रकार की परेशानी झेलनी पड़ती है, लेकिन इस बार हालात और भी भयावह हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बार-बार प्रशासन से शिकायत करने के बावजूद कोई भी अधिकारी मौके पर देखने तक नहीं आया। किसानों ने मांग की है कि क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त किया जाए, नहरों और नालियों की समुचित मरम्मत कराई जाए तथा क्रॉसिंग के लिए ढोला लगवाया जाए। स्थानीय सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने भी विभागीय उदासीनता पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि यदि जल्द कार्य नहीं किया गया तो क्षेत्र में जनाक्रोश उभर सकता है। उन्होंने चेतावनी दी है कि किसान अब सड़क पर उतरने के लिए मजबूर होंगे। क्षेत्र में फैली यह समस्या केवल एक गांव की नहीं, बल्कि आसपास के कई इलाकों में यही स्थिति बन रही है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो यह एक बड़ा संकट बन सकता है। क्षेत्रीय प्रशासन से ग्रामीणों और किसानों ने यह अपील की है कि समस्याओं का स्थायी हल निकाला जाए, केवल कागजों पर दिखावा न किया जाए। नर्मदा घाटी प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले गांवों में जल प्रबंधन को लेकर दीर्घकालिक योजना बनाई जाए, ताकि हर वर्ष किसानों को इस त्रासदी का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों ने अंत में यह भी कहा कि यदि शासन और प्रशासन आंखें मूंदे रहा, तो वे जल्द ही आंदोलन की राह पकड़ेंगे, क्योंकि अब उनके सामने अपनी आजीविका बचाने का सवाल खड़ा हो गया है।

मरम्मत के नाम पर अधिकारी कर रहे खेला

नर्मदा विकास प्राधिकरण विभाग के द्वारा नहर की मरम्मत के नाम पर हर वर्ष राशि आवंटित की जाती है जिसे अधिकारियों के द्वारा बंदरबांट कर लिया जाता है। नहर में किसी तरह का कोई निर्माण कार्य न होने के बावजूद भी इनके द्वारा राशि आहरित की जाती है। महनेर गांव में जो हालात निर्मित हुये है उसमें विभाग के कई तथाकथित अधिकारियों की संगामित्ती भी परिलक्षित हो रही है। चूंकि कई जगह से नहर जर्जर होकर दरक चुकी है जिस कारण पानी खेतों में भर गया। कई किसानों के द्वारा पहले ही बोनी कर दी गई थी लेकिन कई दिनों से पानी भरे रहने के कारण फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई है।

सड़क बदहाल, राहगीर गिरकर हो रहे चोटिल, मामला ग्राम पंचायत कौड़ियां का

जीते जी नरक का अहसास करा रहे कौड़ियां सरपंच-सचिव

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। हाल ही में बारिश का मौसम शुरू हुआ और इस मौसम ने ग्राम पंचायत जन प्रतिनिधियों की पोल खोल कर रख दी है ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत कौड़ियां का सामने आया है जहां खडौला मुहल्ले में आम रास्ता इतना जर्जर हो गया है कि राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया है आपको बता दे कि इस सड़क पर ग्राम पंचायत ने पूर्व में मरम्मत कार्य भी करवाया है लेकिन मरम्मत कार्य कहा हुआ है कैसा हुआ है ये साफ साफ दिखाई दे रहा है मरम्मत होने के बाद भी सड़क पूरी तरह बदहाल है जिसको लेकर ग्रामीणों ने अनेकों बार ग्राम पंचायत में जाकर जन प्रतिनिधियों का ध्यानाकर्षण कराया है लेकिन आज दिनांक तक ग्राम पंचायत ने ग्रामीणों की बात पर कोई भी ध्यान नहीं दिया है आज सड़क में चलना दूभर हो गया है सड़क से छात्र राहगीरों का निकलना मुश्किल हो गया है, आपको बता दे कि खडोला मुहल्ले की समूची महिलाएं इस रास्ता की दशा को देखकर ग्राम पंचायत न्याय की गुहार लगाने आई थी लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं है हाल ही में राहगीर वहा से निकलते है गिरते है और चोटिल हो जाते है सरकार के इतने बड़े विकाश के बाद भी विकाश ग्रामों तक नहीं पहुंच पा रहा है ग्राम पंचायत द्वारा कार्य तो कराया जाता है लेकिन गुणवत्ता पूर्ण कार्य न कराए जाने का नतीजा आज खड़ौला मोहल्लेवासी भुगत रहे है शासकीय राशि का इतना दुरुपयोग जिसके कारण ग्रामीणों की समस्या हल ही नहीं हुई इसका सबसे बड़ा सुबूत ग्राम पंचायत कौड़ियां के खडौला मुहल्ले की ये सड़क है। लोग जन प्रतिनिधि इस उम्मीद के साथ चुनते है कि लोगों की समस्याओं को जनप्रतिनिधि समझेंगे लेकिन यहां तो उल्टा ही हो रहा है समझना तो दूर लोगो की समस्या और बढ़ा दी गई है हाल ही में सड़क मरम्मत का कार्य अतिआवश्यक है यदि सड़क मरम्मत का कार्य दोबारा नहीं किया गया तो कोई भी अप्रिय घटना घटित हो सकती है।

इनका कहना है

पिछले वर्ष थोड़ी सी मुरूम सड़क पर डलवाई गई थी सड़क पर प्राइवेट जमीन होने के कारण जमीन मालिक द्वारा मुरूम डलवाने को मना किया गया था इस कारण से वहा पर मरम्मत कार्य नहीं कराया जा सका

सचिव ग्राम पंचायत कौड़ियां

स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु तिथि में हुई वृद्धि

कटनी। उच्च न्यायालय के आदेशानुसार उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2025-26 में महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में वृद्धि की है। साथ ही स्नातकोत्तर कक्षाओं में 2025-26 में ऑनलाइन प्रवेश अंतर्गत सीएलसी चरण के लिए अद्यतन समय सारणी जारी की गई है। जारी समय सारणी के अनुसार स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में एवं मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी 10 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 11 जुलाई तक होगा। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार के दिनांक, स्थान एवं समय की सूचना 14 जुलाई को दी जाएगी। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के साक्षात्कार एवं पोर्टल पर अंकों की प्रविष्टि 16 से 17 जुलाई तक होगी। विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में सीट का आवंटन 21 जुलाई को होगा।

अधिकारी बाढ़ आपदा से निपटने अलर्ट मोड में रहें: कलेक्टर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने निर्देशित किया कि बारिश के मौसम के मद्देनजर संभावित बाढ़-आपदा के परिप्रेक्ष्य में आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी विभाग, अधिकारी और अमला अलर्ट मोड पर रहे। सभी समय पर फोन उठायें, रिस्पांस टाइम फास्ट होना चाहिए। ताकि किसी जरूरतमंद को समय पर मदद पहुंचाई जा सके। इसी प्रकार सड़कों में घुमन्तु पशुओं को गोशालाओं में भेजने और पशुपालकों के विरूद्ध एफआईआर कराने सहित जुमार्ने की कार्यवाही करने की हिदायत कलेक्टर श्री यादव ने अधिकारियों को दी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा, वनमंडलाधिकारी श्री गौरव शर्मा, जिला पंचायत के सीईओ श्री शिशिर गेमावत एवं अपर कलेक्टर साधना परस्ते मौजूद रहे। कलेक्टर श्री यादव ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में सीएम हेल्पलाइन, सीएम डैशबोर्ड, समग्र ई-केवाईसी, सर्पदंश सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की एवं अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री यादव ने कहा कि सभी विभाग राज्य मानवाधिकार आयोग से प्राप्त शिकायतों पर कृत कार्यवाही का प्रतिवेदन भेजें। साथ ही सीपीग्राम से प्राप्त शिकायतों का 2 दिवसों में निराकरण करना सुनिश्चित करें।

किसानों को न हो असुविधा- कलेक्टर श्री यादव ने कृषि, विपणन और सहकारिता विभाग के अफसरों को दो टूक लहजे में हिदायत दी कि उर्वरक, बीज और मृदा परीक्षण जैसे कार्यों के लिए अन्नदाता को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने जिले के उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की भी समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री यादव ने सड़कों में विचरण करने वाले आवारा घुमन्तु पशुओं के मालिकों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं किये जाने पर सभी एसडीएम और और जनपद पंचायतों के सीईओ के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सड़कों में विचरण करते हुए पशु दुर्घटना की वजह बनते हैं। साथ ही खुद पशु भी घायल होते हैं इसलिए पशुपालक का पता न चलने पर इन पशुओं को गौशालाओं में भिजवाने की हिदायत कलेक्टर श्री यादव ने दिया।

घुमन्तु पशुओं के मालिकों के विरुद्ध दर्ज करायें एफआईआर

बारिश में रहे अलर्ट- जिले में हो रही लगातार बारिश के मद्देनजर कलेक्टर श्री यादव ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदार को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर होमगार्ड भेजें। उन्होंने कहा कि सड़क, पुलियों एवं रपटों में पानी भरने पर समय पर बैरिकेट्स लगाये जाये ताकि संभावित हादसों से बचा जा सके। कलेक्टर श्री यादव ने खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन जगहों पर जलभराव हो वहां पानी की टेस्टिंग जरूर करें।

सर्पदंश के मामलों में रहे संवेदशील- समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री यादव ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि सर्पदंश के मामलों में पूरी संवेदनशीलता बरतें। अस्पतालाओं में एंटी वेनम इंजेक्शन की पर्याप्त उपलब्धता हो। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी हर समय मौजूद रहे।

जाति प्रमाण पत्र बनाने लगायें कैंप- बैठक के दौरान कलेक्टर श्री यादव ने स्कूलों में नामांकन की स्थिति की समीक्षा की जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले में अब तक कक्षा 1 से 5 तक 91 हजार 850, कक्षा 6 से 8 तक 62 हजार 644 एवं कक्षा 9 से 12 के बीच 57 हजार 319 छात्र-छात्राओं का नामांकन हो चुका है। जो कि तय लक्ष्य का 90.2 फीसदी है। इस पर कलेक्टर श्री यादव ने जल्द ही शत प्रतिशत नामांकन पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री यादव ने सभी एसडीएम को निर्देशित करते हुए कहा कि वे बीईओ एवं बीआरसी से समन्वय कर जिले में संचालित स्कूलों में कैंप लगाकर बच्चों के जाति, निवास, आय एवं आधार अपडेट करायें। ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके। इसी प्रकार उन्होंने शासकीय महाविद्यालयों में भी कैंप लगाने के निर्देश दिए।

समग्र ई-केवाईसी की समीक्षा- बैठक के दौरान कलेक्टर श्री यादव ने समग्र ई-केवाईसी की साप्ताहिक प्रगति की समीक्षा करते हुए नगर निगम द्वारा किये गये प्रयासों पर संतुष्टि जाहिर करते हुए इसी प्रकार कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद पंचायत बड़वारा एवं ढीमरखेड़ा को डुप्लीकेट समग्र को डिलीट करते हुए ई-केवाईसी कार्य में और तेजी लाने हेतु निर्देशित किया।

केपीआई रिपोर्ट की समीक्षा- केपीआई रिपोर्ट की समीक्षा के दौरान उन्होंने श्रम विभाग की केपीआई रिपोर्ट अद्यतन न होने पर नाराजगी जाहिर की तथा एमपीएसईडीसी से समन्वय कर इसे अपडेट कराने के निर्देश दिए। वहीं कलेक्टर श्री यादव ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सभी सीईओ जनपद पंचायत और एसडीएम आपस में समन्वय कर साप्ताहिक मीटिंग कर बीएमओ, आशा कार्यकताओं व सचिव के माध्यम से जुलाई अंत तक शेष आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार कलेक्टर श्री यादव ने उद्योग विभाग को स्वरोजगार योजना के तहत प्राप्त आवेदनों को लक्ष्यानुसार बैंक की ओर प्रेषित कर ऋण वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा पंचायत एवं ग्रामीण विकास, अन्य पिछड़ा वर्ग, जनजातीय विभाग, एवं पशुपालन एवं डेयरी विभाग की केपीआई स्कोर की समीक्षा भी की गई। बैठक के दौरान सभी डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, निगम आयुक्त, जिला परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, जिला शिक्षा अधिकारी, सिविल सर्जन एवं अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

पहली बार पौधरोपण के लिए अत्याधुनिक तकनीक का किया जाएगा उपयोग

कटनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत ह्लएक बगिया मां के नामह्व परियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलोद्यान की बगिया विकसित की जाएगी। प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा जब अत्याधुनिक तरीके पौधरोपण का कार्य किया जाएगा। इस परियोजना के अंतर्गत ऐप के माध्यम से हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर मनरेगा परिषद ने तैयारी शुरू कर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा इस संबंध में निर्देश भी जारी किए गए हैं।

एक बगिया मां के नामह्व से होगा ऐप

परियोजना का लाभ लेने के लिए आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की महिला का चयन ह्लएक बगिया मां के नामह्व ऐप से किया जाएगा। अन्य किसी माध्यम से हितग्राही का चयन नहीं किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति, पिता, ससुर और पुत्र की भूमि पर सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत प्रदेश की 30 हजार से अधिक स्व-सहायता समूह की महिलाओं को लाभ मिलेगा। इनकी निजी जमीन पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाएं जाएंगे, जो समूह की महिलाओं की आर्थिक तरक्की का आधार बनेंगे। परियोजना के अंतर्गत हितग्राहियों को पौधे, खाद और गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी।

रेस्क्यू टीम ने बचाई युवक की जान

कटनी। कटनी नदी में मछली पकड़ने गये शाहनगर निवासी करीब 18 वर्षीय पंकज चौधरी का अचानक पैर फिसलने और पानी के तेज बहाव होने की वजह से पंकज करीब 500 मीटर दूर बह गये। ऐसे में पंकज ने जान बचाने के लिए एक पेड़ की डाल को पकड़कर उसमें चढ़ गये। लेकिन कटनी नदी का जलस्तर अधिक होने की वजह से घबराये 18 वर्षीय युवक पंकज की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना जिला प्रशासन को दी। जिसके बाद तत्काल चौकस और मुस्तैद जिला प्रशासन की एसडीईआरफ एवं होमगार्ड की 7 सदस्यीय टीम प्लाटून कमांडर विजयांश चौधरी के नेतृत्व में कटनी बस स्टैण्ड मुक्तिधाम के लिए रवाना हुई। जहां करीब 1 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद युवक को नदी से सकुशल सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस बचाव दल में होमगार्ड सैनिक विवेक विश्वकर्मा, भरत मिश्रा, उमेश मिश्रा, राधिका सिंह, प्रेमलाल यादव, रोशन सिंह एवं धनेन्द्र त्रिपाठी शामिल रहे।

शराब बिक्री बंद करवाने कातलबोड़ी (मातृधाम) की महिलाएं पहुंची लखनवाड़ा थाने

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। मध्य प्रदेश सरकार की मंशा है की धार्मिक स्थलों वाले ग्रामों में शराब बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहे मगर जगतगुरु शंकराचार्य सरस्वती जी महाराज के माता जी की जन्मस्थली मात्र धाम जहां पर राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी माता का मंदिर है जो देश प्रदेश में अपना स्थान रखता है उस गांव में अवैध रूप से शराब बिक्री की जा रही है जिसकी शिकायत आज ग्राम की महिलाओं द्वारा लखनवाड़ा थाना में की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि अवैध शराब बिक्री को लेकर अनेकों बार जमुनिया पंचायत,एवं कातलबोड़ी पंचायत के द्वारा शिकवा शिकायत आवेदन निवेदन किया गया इतना ही नहीं ग्राम सुरक्षा समिति के माध्यम से भी थाना प्रभारी महोदय को अवगवत कराया गया।कार्यवाही भी की गई कुछ दिन क्षेत्र स्वतंत्र रहा फिर वही ढाक के तीन पात वाली कहावत फिर बिकने लगी आखिर इन शराब बेचने वालों को किन लोगों का सहयोग प्राप्त हो जाता है कि ये लोग दुगनी ताकत के साथ मुख्य मार्ग के ईर्द गिर्द चौक चौराहे की दुकानों पर निर्भक होकर शराब बेचने को तैयार हो जाते हैं।नित्य प्रति दंगाफसाद मार पीट लड़ाई झगड़े से तंग आकर आखिर मात्रधाम कातलबोड़ी पंचायत की 25 से 30 लाडली बहनों का समूह थाना लखनवाड़ा पहुँच गया।शराब बेचने वाले लोगो के नाम भी बताए एवं लाडली बहनो ने थाने में विशेष निवेदन भी किया उन्होंनें कहा कि हमारे मात्रधाम क्षेत्र के दायरे में किसी भी चौक चौराहे दुकान में एवं मुख्य मार्ग में शराब बिक्री नहीं होनी चाहिए। अगर आगे से किसी भी व्यक्ति द्वारा इस क्षेत्र में शराब बेचते हुए पाया जाएगा तो उस पर कठोर कार्रवाई की जाए जिससे ग्राम में शांति और सद्भाव बना रहे। ग्रामीण को थाना प्रभारी द्वारा अस्वस्थ किया गया है कि पूर्व में भी अवैध शराब पर कार्रवाई की गई है आगे भी की जाएगी।

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान हैं?
अब आपके शहर सिवनी में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव
डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक
माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार सुबह 11 बजे से 2 बजे तक
दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज
- कील मुहाँसे का सफलतम ईलाज
- चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
- तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
- चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
- सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
- काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
- एलर्जी, एग्जिमा, शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
- चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा
रेवा फार्मेसी
पता: बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

मंदसौर के गांधी सागर डैम में दो युवक डूबे

बालाघाट के कई गांवों का सड़क संपर्क टूटा; डिंडौरी में धमनी-कुसेरा सड़क धंसी

भोपाल। डिंडौरी के मेहदवानी जनपद पंचायत क्षेत्र में धमनी-कुसेरा मार्ग बारिश से क्षतिग्रस्त हो गया। सीहोर की पार्वती नदी में कार फंस गई। बालाघाट शहर में कई इलाकों में पानी भर गया है। मध्यप्रदेश के कई जिलों में लगातार तेज बारिश होने की वजह से हालात बिगड़ने लगे हैं। राजस्थान के कोटा से पिकनिक मनाने गरोठ के भानपुरा आए दो युवकों की गांधी सागर डैम में डूबने से मौत हो गई। घटना रविवार शाम 7 बजे की है। एनडीआरएफ की टीम रात 9 बजे घटनास्थल पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। 15 घंटे की सर्चिंग के बाद सोमवार सुबह 9 बजे दोनों के शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान सोनू यादव (20) और चेतन कुमार (24) के रूप में हुई है। डिंडौरी के मेहदवानी जनपद पंचायत क्षेत्र में धमनी-कुसेरा मार्ग बारिश से क्षतिग्रस्त हो गया है। तीन साल पहले प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से सड़क बनी थी। सड़क टूटने से इस रास्ते पर भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। सीहोर जिले के पार्वती और पपनाश नदी भारी बारिश के चलते उफान पर हैं। पार्वती नदी पर हादसा होते-होते बचा। पानी पुल के ऊपर से बह रहा था। इस बीच कार चालक ने लोगों के मना करने के बाद भी कार नहीं रोकी और आगे जाकर वो फंस गई। लोगों ने कार सवार को बाहर निकाला। मंडला में पिछले 24 घंटे में हुई भारी बारिश से नर्मदा नदी का जलस्तर वॉर्निंग लेबल क्रॉस कर 437.40 मीटर पर पहुंच गया है। माहिष्मती घाट स्थित छोटा पुल फिर डूब गया है। साथ ही मटियारी, सुरपन, बंजर सहित कई नदियां उफान पर हैं। जबलपुर, उमरिया, मंडला, डिंडौरी, बालाघाट और अनूपपुर में स्कूलों और आंगनबाड़ियों की छुट्टी कर दी गई है।

नर्मदापुरम समेत 8 जिलों में जारी रहेगी तेज बारिश : मौसम विभाग ने 8 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार हरदा, नर्मदापुरम, विदिशा, रायसेन, गुना, अशोकनगर, श्योपुर और सिवनी में भारी बारिश जारी रहने का अलर्ट है। वहीं, सीहोर, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, खंडवा, शिवपुरी, बालाघाट में मध्यम बारिश जारी रहेगी। देवास, भोपाल, सागर, बुरहानपुर, सिवनी, जबलपुर, दमोह, कटनी, नरसिंहपुर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, मैहर, भिंड, दतिया, मुरैना, ग्वालियर, मंडला, डिंडौरी, सिंगरौली, अनूपपुर, बड़वानी, धार, इंदौर, आलीराजपुर और खरगोन में हल्की बारिश हो सकती है।

मध्यप्रदेश में पुलिस चौकियों से आदिवासियों को मिल रहे पट्टे

नक्सल कमांडर की पत्नी ने भरा फॉर्म; बालाघाट का मॉडल 89 इलाकों में होगा लागू

भोपाल। मध्य प्रदेश के नक्सल प्रभावित बालाघाट जिले में पुलिस ने 46 थानों और कैंपों में एकल सुविधा केंद्र शुरू किए गए है। इन केंद्रों के जरिए "ऑपरेशन पहचान" के तहत आधार कार्ड, आयुष्मान योजना, वृद्धावस्था पेंशन, और "आपकी भूमि आपके द्वार" अभियान के तहत वनाधिकार पट्टा जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। हालांकि शुरूआत में नक्सलियों ने ग्रामीणों को इन केंद्रों से दूर रहने के लिए उकसाया। लेकिन जब इन केंद्रों से सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों को सीधे मिलने लगा, तो नजरिया बदला। धीरे-धीरे लोगों का इन केंद्रों पर भरोसा बढ़ा। इसका सबसे बड़ा उदाहरण तब देखने को मिला, जब इलाके के कुख्यात नक्सली कमांडर संपत की पत्नी हिरोड़ा बाई खुद पुलिस कैंप पहुंची और वनाधिकार पट्टे का फॉर्म भरकर जमा किया।

अब इस मॉडल को प्रदेश के 89 आदिवासी ब्लॉक में लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सीएम हाउस में एक बैठक ली, जिसमें उन्होंने ये निर्देश दिए। यह बैठक वन अधिकार अधिनियम और पेसा एक्ट के क्रियान्वयन को लेकर गठित राज्य स्तरीय टास्क फोर्स की शीर्ष कार्यकारी समिति के साथ हुई।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र की पुलिस चौकियों को बदला बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा साल 2022 में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पदस्थ थे। उसी दौरान उन्होंने बालाघाट के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस चौकियों को एकल सुविधा केंद्रों में बदलने की शुरूआत की थी।

इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू करते हुए ग्रामीणों, खासकर आदिवासी वर्ग को वनाधिकार पट्टों के आवेदन, जाति प्रमाण पत्र बनवाने और अलग-अलग सरकारी योजनाओं का फायदा दिलाने का जरिया बनाया गया। हालांकि, बीच में आदित्य मिश्रा का तबादला हो गया। लेकिन इस साल, जब वे फिर बालाघाट एसपी बनकर पहुंचे, तो उन्होंने पिछले महीने (जून) से इस काम को फिर से शुरू किया।

हर कैम्प में 4-5 पुलिसकर्मियों को दी गई ट्रेनिंग बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि हमने इस पायलट प्रोजेक्ट के लिए हर पुलिस चौकी और कैम्प में 4-5 पुलिसकर्मियों को आदिवासी वर्ग को सरकारी योजनाओं का फायदा दिलाने के लिए प्रशिक्षित किया। दूसरे विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों के नंबर पुलिस चौकी को मुहैया कराए। जहां जिस आवेदक को दिक्कत आती, पुलिस चौकी से संबंधित विभाग में बातचीत कर समाधान कराया जाता है।

आदिवासी छात्रों और युवाओं का सम्मेलन बुलाएं वहीं, सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा जनजातीय वर्ग के अध्ययनरत और युवाओं का सामाजिक सम्मेलन बुलाएं। इस सम्मेलन के जरिए सरकार इन बच्चों को उन तक पहुंचने वाले लाभ का फीडबैक भी लेगी और जिन्हें जरूरत है, उन तक सरकारी योजनाएं और सुविधाएं भी पहुंचाई जाएंगी।

31 दिसंबर तक वनाधिकार पट्टों का निराकरण करें मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पेसा एक्ट यानि पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम, 1996 लागू है। इसमें पेसा मोबिलाइजर्स के जरिए जनजातियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देकर योजनाओं से लाभान्वित भी कराया जाता है। इन सभी पेसा मोबिलाइजर्स का अपने काम में मौजूदगी और हाई क्वालिटी का काम फील्ड में दिखाई भी देना चाहिए।

पेसा मोबिलाइजर की नियुक्ति ग्राम सभाएं करेंगी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेसा मोबिलाइजर्स को नियुक्त करने और संतोषजनक प्रदर्शन न करने पर इन्हें हटाने के अधिकार सरकार अब ग्राम सभाओं को देने जा रही है। इस फैसले से एकरूपता आएगी और ग्राम सभाएं पेसा मोबिलाइजर्स से अपने मुताबिक काम भी ले सकेंगी।

बुधवारी बाजार में 70 साल में पहली बार चोरी

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा शहर के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले बुधवारी बाजार में बीती रात चोरी की बड़ी वारदात हो गई। रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात करीब 2:05 बजे मेसर्स सुहाग स्टोर का ताला तोड़कर चोर ने करीब ?35 हजार नकद, म्यूजिक सिस्टम और अन्य सामान चोरी कर लिया। घटना के वक्त शहर में तेज बारिश हो रही थी। चोर ने बरसाती पहन रखी थी और लोहे की रॉड से दुकान का ताला तोड़ा। दुकान में घुसने के बाद टॉर्च से निरीक्षण किया और फिर लाइट ऑन कर आराम से आधे घंटे तक चोरी करता रहा।

सुबह टूटा ताला और खाली काउंटर देख खुलासा हुआ : दुकान संचालक टिंकू कश्यप ने बताया कि सुबह ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो काउंटर की नकदी, साउंड सिस्टम और चिल्लर गायब थी।

इलाके में पहली बार चोरी की घटना : दुकान के बड़े भाई मनीष कश्यप ने कहा कि यह इलाका बेहद सुरक्षित माना जाता है। पिछले 70 साल में यहां कभी चोरी नहीं हुई। लेकिन इस बार चोर ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया।

चोर CCTV में कैद, पहचान हो चुकी : कोतवाली निरीक्षक आशीष कुमार ने बताया कि दुकान के CCTV में चोर की गतिविधियां साफ नजर आ रही हैं। आरोपी की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही व्यापारियों से अपील की गई है कि वे अपने प्रतिष्ठानों में CCTV कैमरे जरूर लगाएं।

बैतूल में 18 जुलाई को हनी थेरेपी शिविर

35 से ज्यादा बीमारियों का इलाज, कैंसर-थायरॉइड-मधुमेह मरीजों को मिलेगा लाभ

बैतूल। बैतूल के मानस नगर स्थित छत्रपति शिवाजी सांस्कृतिक भवन में 18 जुलाई को मधुमक्खी चिकित्सा (हनी थेरेपी) शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। इस विशेष शिविर में महाराष्ट्र के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. श्रीराम दिगंबर कुलकर्णी मरीजों को परामर्श देंगे। वे बीते 19 वर्षों से हनी थेरेपी के क्षेत्र में कार्यरत हैं। यह 2000 वर्ष पुरानी भारतीय चिकित्सा पद्धति है, जिससे अब तक 35 लाख से अधिक लोग लाभ उठा चुके हैं।

कैंसर, बीपी, थायरॉइड समेत 35 बीमारियों का इलाज : डॉ. कुलकर्णी के अनुसार हनी थेरेपी से कैंसर, उच्च रक्तचाप, थायरॉइड, मधुमेह, थैलेसीमिया, अर्धांगवायु जैसी 35 से अधिक बीमारियों का इलाज संभव है। शिविर में नाममात्र शुल्क पर परामर्श और चिकित्सा की सुविधा दी जाएगी।

प्राकृतिक तरीके से मोटापा और वजन की समस्याओं का समाधान : शिविर में मधुमेह से मुक्ति, मोटापा कम करने और वजन बढ़ाने जैसी समस्याओं का भी प्राकृतिक उपचार किया जाएगा। इच्छुक लोग अधिक जानकारी के लिए जयश्री खाडगडे (9930045022) या वैशाली बारस्कर (9303676651) से संपर्क कर सकते हैं।

रायसेन में बिजली-पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

कलेक्ट्रेट पहुंचकर लोगों ने की 63 केवीए की डीपी, पक्की सड़क और हैंडपंप लगाने की मांग

रायसेन। रायसेन जिले के बरवटपुर गांव में बिजली और पेयजल की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट गेट पर धरना दिया। ग्रामीणों ने 63 केवीए की डीपी की स्थापना, बरवटपुर से शांतिधाम तक पक्की सड़क का निर्माण और शांतिधाम में हैंडपंप लगाने की मांग की।

ग्रामीण बोले- 2020 से बड़ी डीपी की कर रहे मांग : ग्रामीणों के मुताबिक, फिलहाल गांव में 25 केवीए की डीपी लगी है, जिस पर लगभग 50 कनेक्शन हैं। ज्यादा लोड के कारण डीपी बार-बार जल जाती है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। इसके अलावा रात में बिजली न होने से सांप-बिच्छू जैसे जहरीले जीवों का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि वे 2020 से बड़ी डीपी की मांग कर रहे हैं।

बरवटपुर से शांतिधाम तक है कच्ची सड़क: बरवटपुर से शांतिधाम तक कच्ची सड़क है। जिसके कारण बारिश में कीचड़ भर जाने से आवागमन में परेशानी होती है। शांतिधाम में पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं है, जिससे अंतिम संस्कार के समय लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ता है।

डिप्टी कलेक्टर और एसडीएम ने जल्द समाधान का दिया आश्वासन : धरने की सूचना मिलने पर डिप्टी कलेक्टर मनीष शर्मा और एसडीएम मुकेश सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

प्रेमिका ने शादी से किया इनकार, युवक ने किया सुसाइड

भोपाल। भोपाल के वीआईपी रोड पर शीतला माता मंदिर के पास रेलिंग को फांदकर युवक ने तालाब में छलांग लगा दी। इससे उसकी मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने डायल 100 को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला। घटना सोमवार की सुबह 10 बजे की है। टीआई दीपक डेहरिया ने बताया कि तालाब में छलांग लगाने वाले शख्स की पहचान अमित साहू (22) निवासी कोकता बाइपास के रूप में की है।

छिंदवाड़ा में मोहर्रम परंपरागत श्रद्धा के साथ संपन्न

कर्बला चौक पर ताजियों का मिलन, बड़ा तालाब में हुए ठंडे

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में मोहर्रम के दसवें दिन छिंदवाड़ा शहर में परंपरागत ताजिया जुलूस रविवार देर रात शाम तक धार्मिक श्रद्धा और शांतिपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हुआ। जुलूस का शुभारंभ शहर के प्रमुख स्थल बड़ा इमामबाड़ा से हुआ, जो विभिन्न मार्गों से होता हुआ छोटी बाजार, चूना गली होते हुए कर्बला चौक पहुंचा। यहां परंपरागत रूप से विभिन्न दिशाओं से आए ताजियों का मिलन हुआ। जुलूस के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कर्बला चौक पर ताजियों को विधिवत रूप से रखा गया, इसके बाद सभी ताजिए अपने-अपने चौकों पर ससम्मान वापस पहुंचाए गए। पूरा आयोजन धार्मिक आस्था और आपसी सौहार्द के वातावरण में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। मोहर्रम परंपरा, आस्था और समर्पण का प्रतीक है, जिसे छिंदवाड़ा में इस वर्ष भी सौहार्द और शांति के साथ मनाया गया। मोहर्रम पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। पुलिस अधीक्षक अजय पांडेय ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए व्यवस्थाओं की निगरानी की। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात रहा।

नागरिकों ने किया सहयोग : जुलूस के दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी प्रशासन का सहयोग करते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस और समाज के समन्वय से आयोजन शांति और व्यवस्था के साथ सम्पन्न हो सका।

मुलताई और पट्टन में जमकर बरसे बादल:

मुलताई। मुलताई में सोमवार सुबह 4 बजे से लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने 7, 8 और 9 जुलाई के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जिला प्रशासन के मुताबिक, अब तक जिले में औसतन 9.2 इंच बारिश दर्ज की गई है। यह सामान्य से 2.1 इंच ज्यादा है। पिछले साल इसी समय 49 इंच बारिश हुई थी। इस बार शुरूआत धीमी रही, लेकिन अब स्थिति संतोषजनक है। प्रभात पट्टन में 9 इंच और मुलताई में 8 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है। बारिश से किसानों को फायदा हुआ है। खेतों में नमी बढ़ने से सोयाबीन, मूंग और उड़द की बुवाई तेज हो गई है। जहां पहले बारिश की कमी थी, वहां अब काम शुरू हो गया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डॉ. मुखर्जी के विचार को किया है क्रियान्वित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सच्चे राष्ट्रभक्त और लोकतंत्र सेनानी थे डॉ. मुखर्जी : डॉ. मुखर्जी ने धारा 370 के विरोध के साथ ही राष्ट्र हित के अनेक मुद्दों पर निरंतर कार्य किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में धारा 370 के विरोध के साथ ही राष्ट्र हित के अनेक मुद्दों पर निरंतर कार्य किया। वे लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसे सच्चे नेता थे, जिन्होंने लोकतंत्र सेनानी के रूप में कोलकाता और पश्चिम बंगाल को बचाने का कार्य भी किया। उन्होंने राष्ट्रवादी संगठन जनसंघ की स्थापना तो की ही तत्कालीन केंद्र सरकार से स्वयं को अलग करते हुए निर्दलीय रूप से निर्वाचन का निर्णय लिया। शिक्षा के क्षेत्र से सार्वजनिक क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद ऐसी अनेक चुनौतियों का उन्होंने सामना किया जो राष्ट्रभक्त ही किया करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि डॉ.मुखर्जी ने कभी असंगत व्यवस्थाओं से समझौता नहीं किया। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम की हिंसा का उत्तर आपरेशन सिंदूर के माध्यम से दिया। स्वतंत्रता के बाद सर्वप्रथम डॉ. मुखर्जी ने ऐसी व्यवस्थाओं का विरोध किया था जो राष्ट्र हित में नहीं थीं। उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डॉ. मुखर्जी के जीवन लक्ष्य को पूर्ण करते हुए कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इस तरह डॉ. मुखर्जी के संकल्प " एक निशान, एक विधान और एक प्रधान" को साकार करने का कार्य किया गया है। पूरे राष्ट्र ने एक स्वर से कश्मीर से धारा 370 हटाने का समर्थन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में संस्कृति विभाग द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125 वी जयंती के अवसर पर में "एक देश एक विधान" विषय पर आयोजित वैचारिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. मुखर्जी के विचार को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया क्रियान्वित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने संविधान के अनुच्छेद 370 का विरोध करते हुए संसद में भाषण दिया था। वे कश्मीर को विशेष दर्जा देने के प्रबल विरोधी थे। उनका मानना था कि कश्मीर हमारे लिए केवल एक भू-भाग नहीं अपितु भारत की आत्मा है। डॉ. अम्बेडकर का भी यही विचार था। डॉ. मुखर्जी का मानना था कि भारत की एकता से कोई समझौता नहीं बल्कि संकल्प है। कश्मीर के मुद्दे पर भारतीय जनसंघ ने सत्याग्रह भी किया। डॉ. मुखर्जी 11 मई 1953 को परमिट सिस्टम का उल्लंघन कर कश्मीर पहुंचे वहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और विषम परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनका स्वर्गवास हो गया। यह उनका बलिदान था।

डॉ. मुखर्जी ने बताया राष्ट्र के लिए कैसी हो हमारी दृष्टि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रवासियों को यह बताया कि राष्ट्र के लिए हमारी दृष्टि कैसी होनी चाहिए। आज भारत दुनिया का बड़ा लोकतांत्रिक देश है। स्वतंत्रता के समय हुई त्रुटियों को याद रखने की आवश्यकता है। डॉ. मुखर्जी जैसे महापुरूषों के योगदान का इसलिए निरंतर स्मरण करना जरूरी है। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी राष्ट्र के शत्रुओं को उनके घर में घुसकर मारने का हौसला रखते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम के लिए आयोजक और प्रतिभागियों, विशेष रूप से विद्यार्थियों को बधाई दी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री राजीव कुमार पांडे ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का कश्मीर के मुद्दे पर जो योगदान है उसके बारे में अक्सर चर्चा होती है। डॉ. मुखर्जी का एक दूसरा योगदान भी इतना ही बड़ा है जिस पर कम चर्चा होती है, वह है कोलकाता और पश्चिम बंगाल के संबंध में। कोलकाता भारत का अभिन्न हिस्सा है। पूर्वोत्तर के गलियारे से क्षेत्र के सभी राज्य परस्पर जुड़े हैं। इस इलाके के अस्तित्व को बनाए रखने से पाकिस्तान का भूमि संपर्क नहीं हो सका। आज पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा है। डॉ. मुखर्जी ने इन प्राथमिकताओं और राष्ट्र हित से जुड़े अति-महत्वपूर्ण विषय को समय रहते समझा और आवश्यक संघर्ष किया। इस तरह डॉ. मुखर्जी का योगदान ऐतिहासिक है।

संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि धरती पर बमुश्किल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसा महापुरूष पैदा होता है। डॉ. मुखर्जी नेहरू जी के मंत्रिमंडल में उद्योग मंत्री थे। नेहरू जी से मतभेदों के चलते डॉ. मुखर्जी ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। डॉ. मुखर्जी प्रखर देशभक्त थे। उन्होंने देश की अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, पंचायत मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवानदास सबनानी, महापौर भोपाल श्रीमती मालती राय, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, श्री रविंद्र यति आदि उपस्थित थे। प्रमुख सचिव संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला ने आभार व्यक्त किया।

नदी के किनारों पर नही प्रशासन की नजर

बाढ़ से डूबे पुल, गांवों का टूटा संपर्क

'दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर।** जिले में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर है जिससे कई गांवों का संपर्क शहरों से नही हो पा रहा है। वही प्रशासन द्वारा नदी नालों के किनारों पर ध्यान नही दिया जा रहा है। उफनती नदी के किनारें खड़े होकर लोग वारिश के नजारे देखते नजर आये नदी के दोनो किनारों पर बड़ी संख्या पर भीड़ नजर आई और प्रशासन द्वारा नजर रखने के लिये कोई जिम्मेदार कर्मी भी तैनात नही किया गया। प्रशासन द्वारा ऐसा ना करना हदसों को निमंत्रण देना साबित हो रहा है। प्रशासन को चाहिये कि पुलिस कर्मियों को तैनात कर सुचारू व्यवस्था बनाये व लोगो को पानी के किनारें पर जाने से रोका जावें।

गांवों का टूटा संपर्क

जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण नदियों और नालों में जलस्तर बढ़ गया है। इसके चलते सुपला स्थित शेड नदी का पुल भी डूब गया है, जिससे दर्जनों गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। नरसिंहपुर से सांकल जाने वाला मार्ग पूरी तरह से बाधित हो गया है। पुल के दोनों ओर लंबी कतारों में खड़े लोग पानी के स्तर के कम होने का इंतजार कर रहे हैं। पुल के ऊपर पानी बहने के बावजूद प्रशासन को इसकी सूचना नहीं है और न ही किसी तरह की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। कई लोग पुल पर पानी के बावजूद वहां घूमते नजर आए, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। वही मुगवानी से बरहटा जाने वाले रास्ते पर बने शेढ़ नदी के पुल के उपर से पानी होने के कारण आवागमन बंद है।

नर्मदा नदी उफान पर

लगातार हो रही बारिश के कारण बरगी डेम में जल रूतर बढ़ गया और बरगी डेम पूरी जल क्षमता के अनुसार पूरी तरह भर गया और डेम पूरी तरह भर जाने के कारण बरगी डेम के गेट भी खोले गये है जिससे नर्मदा नदी मे लगातार जल स्तर बढ़ता जा रहा है लोग नजारा देखने के लिये नदी के दोनो किनारों पर खड़े नजर आते है। बारिश से जिला जलमग्न है। लोग घरों से निकल कर मां नर्मदा के विकराल स्वारूप को देखने के लिये जा रहा है। प्रशासन को चाहिये कि लोगों को अलर्ट कर सुरक्षित स्थान पर रहने की हिदायत दी जावे तथा पानी व बाहव वाली जगहों से दूर रहने की अपील की जावें। हालांकि बारिश से अभी तक ज्यादा जन धन की हानि नहीं हुई है लेकिन प्रशासन साथ लोगों को भी जागरूक रहने की महत्ती आवश्यकता है।

खोले गए बरगी डैम के 9 गेट

जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जिले की सभी नदिया उफान पर है वही नर्मदा नदी भी खतरे के निशान से उपर बह रही है। बढ़ते जल स्तर के कारण बरगी डेम के 9 गेळ खोल दिए गए है। जिससे 1471 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है वही प्रशासन द्वारा नीचे वानले इलाको को खाली करने की बात कही गई। बरगी बांध से छोड़ा गया पानी रात तक नरसिंहपुर जिले मे पहुंचने की संभवना है। बताया गया कि बरगी डेम के 21 में से 9 गेट 1.33 मीटर उंचाई तक खोले गए है वही बांध मे लगातार 98742 क्यूसेक पानी प्रवेश कर रहा है। बांध का पूर्ण जलभराव स्तर 422.76 मीटर है जो पूरी तरह फुल हो चुका है। मैन्युल के अनुसार जल स्तर 417.50 मीटर रखा जाना प्रस्तावित है बांध के कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही बारिश के चलते गेट खोलने का लिया गया फैसला लिया गया। बांध के गेट खुलने से नर्मदा नदी का बढ़ेगा जलस्तर, बांध प्रबंधन और जिला प्रशासन ने नर्मदा के तटीय इलाकों में जारी किया अलर्ट जारी किया गया है।

कैबिनेट मंत्री श्री पटेल ने किया मूर्ति का अनावरण एवं विभिन्न लोकार्पण एवं भूमिपूजन

'दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक प्रहलाद सिंह पटेल पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी जिला पंचायत उपाध्यक्ष अनीता ठाकुर नगर पालिका अध्यक्ष सुशीला ममार की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में करेली में निर्मित अमृत पार्क का लोकार्पण कर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मूर्ति का अनावरण किया इसके साथ ही अमृत पार्क का शुभारंभ किया इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने बताया कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी की सेवा भावना अनुकरणीय है राजनीतिक आसमान के दमकते हुए सितारे है डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी हम सभी को अपने जीवन में समाज के हित ने कार्य करने हेतु लक्ष्य तय करने होंगे हम समाज को क्या बेहतर दे सकते है। करेली के सीताराम माल में युवाओं ओर कार्यकताओं से संवाद करते हुए कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने उन्हें समाजसेवा से जुड़े कार्यों को करने एवं जागरूकता लाने के प्रेरित किया एवं उनके सोशल मीडिया के सार्थक उपयोग के संदर्भ में चर्चा की साथ ही उन्होंने गौ सेवा नशा मुक्ति अभियान के साथ साथ अपने क्षेत्र में लगातार सेवा के कार्य कर रहे युवाओं से संवाद कर उन्हें अपना मार्गदर्शन दिया एवं हर संभव मदद की बात कही। करेली जनपद की ग्राम पंचायत इमलिया में आयोजित भूमि पूजन लोकार्पण के कार्यक्रमों ने सहभागिता देते हुए कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा ग्राम पंचायतों को अपने विकास का मॉडल भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाना चहिए आपकी हर समस्या का स्थायी समाधान खोजना,और हर नागरिक को एक सुविधाजनक,सुरक्षित और गरिमामय जीवन देना, यही हमारी प्रतिबद्धता है और यही हमारी प्राथमिकता। हमारी सरकार जनसेवा और विकास के संकल्प को सतत रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है ग्राम में विकास हेतु सीमेंट सड़कों (लागत 15.23 लाख), नालियों के निर्माण कार्य (लागत 4.6 लाख) के लोकार्पण एवं सामुदायिक भवन (लागत 47 लाख), आंगनवाड़ी भवन (लागत 7.50 लाख) और मुख्य मार्ग पर नाली (लागत 31लाख) के निर्माण कार्यों का भूमि पूजन कर ग्राम पंचायत के लोगों को बेहतर सुविधा का प्रयास किया जा रहा है उन्होंने लगभग 1 करोड़ की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। नगर के प्रतिष्ठित व्यक्ति पूर्व पार्षद महेश साहू के सुपुत्र चेतन साहू को सी ए की परीक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त होने पर शुभकामनाएं प्रेषित की।

वाहन फसने से टूटे तार, निकलती रही चिंगारी

'दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विगत दिवस नगर के मध्य स्थित पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में पुलिस वाहन बिजली के लटके तारों में फंस गया। यह घटना शाम 6 बजे की है। पुलिस वाहन एमपी 03 जेडए 0687 चौपाटी से शनिचरा बाजार मेन रोड की तरफ जा रहा था। पेट्रोल पंप के पास चाय की दुकान के ऊपर से झूल रहे बिजली के तार चालक को नहीं दिखे। वाहन की तेज गति के कारण तारों में जोरदार खिंचाव हुआ। इससे करीब 150 फीट दूर लगे दो बिजली के खंभे तिरछे हो गए। तारों में करंट होने से चिंगारियां निकलने लगीं और धमाके की आवाजें आने लगीं। इस घटना से आसपास के दुकानदार और राहगीर डर गए। पुलिसकर्मी भी वाहन छोड़कर सुरक्षित जगह पर चले गए। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद हो गई। घटना के एक घंटे बाद तक बिजली विभाग का कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस क्षेत्र में कई महीनों से बिजली के तार लटके हुए हैं। बिजली विभाग की लापरवाही से बड़ा हादसा हो सकता था। गनीमत रही कि घटना के समय कोई आम नागरिक या बच्चा तारों की चपेट में नहीं आया। स्थानीय नागरिकों ने विभाग से जल्द मेंटेनेंस और सुधार कार्य की मांग की है।

विद्युत विभाग के अमले की हुई सराहना

'दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि.नरसिंहपुर संभाग अंतर्गत डाँगीढाना वितरण के मुंगवानी मुख्यालय में अति बारिश, तेज हवा आंधी से ध्वस्त हुए 11केवी लाइन के 3 पोल ओर डी पी स्ट्रक्रर को मात्र चंद घंटों में विद्युत कर्मचारियों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भी विद्युत व्यवस्था बहाल की। वितरण केन्द्र प्रभारी कनिष्ठ अभियंता संदीप यादव ने बताया कि अति बारिश और तेज हवा आंधी से ध्वस्त हुई लाइन की जानकारी सहायक अभियंता प्रसून शर्मा और कार्यपालन अभियंता विवेक जशेले को दी गई। उनके द्वारा तत्काल 3 नंबर पी सी सी पोल एवं जरूरी अन्य सामग्री उपलब्ध कराई गई। जल्द से जल्द में विद्युत व्यवस्था बहाल करने के निर्देश पर कनिष्ठ अभियंता के द्वारा स्टाफ को लेकर मौके पर पहुंच कर क्षतिग्रस्त विद्युत पोल ओर डी पी स्ट्रक्रर को चंद घंटों में ठीक कर विद्युत सप्लाई चालू कर दी गई। इस मौके पर लाइनमैन रामकलेश विश्वकर्मा, अर्जुन ठाकुर, दिनेश अहिरवार, परीक्षण सहायक अशोक आदि कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे ऊर्जा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की इस सराहनीय कार्य के लिए प्रशंसा वन विभाग की टीम और ग्रामीणों की ओर से करते हुए ऊर्जा विभाग का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।कनिष्ठ अभियंता के द्वारा बताया गया कि ऐसी विपरीत परिस्थितियों में कार्य कर उपभोक्ताओं को निर्बाध और सुचारू अटल ज्योति लाइन 24 विद्युत सप्लाई देने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही अपने सभी से अपील कि कोई भी ऐसा कार्य लोग ना करें जिससे कि विद्युत सप्लाई में परेशानी हो। सभी विभाग को सहयोग प्रदान करें। जिससे सुचारू विद्युत व्यवस्था ऊर्जा विभाग दे सके।

वैश्य महासम्मेलन एवं वैश्य विभूति अलंकरण समारोह का आयोजन

'दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। विगत दिवस वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के जिला सम्मेलन में नरसिंह वैश्य विभूति अलंकरण समारोह स्थानीय होटल सावित्री सिग्नेचर में वैश्य महासम्मेलन प्रदेशाध्यक्ष सुधीर अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य, प्रदेश महामंत्री इंजी.सुनील कोठारी, महिला इकाई प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती ज्योति जैन के विशिष्ट आतिथ्य व जिलाध्यक्ष अजय जैन की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाला वैश्य महासम्मेलन के द्वारा समय-समय पर समाज सेवा के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वालों का सम्मान किया जाता है, जिससे आने वाली पीढ़ी उसका अनुसरण कर सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने महासम्मेलन के गठन से वर्तमान तक की स्थिति से अवगत कराते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन वर्तमान में वैश्य महासम्मेलन ही है। वैश्य वर्ग की अपनी संस्कृति और संस्कारों से अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित है। देश की अर्थव्यवस्था की रीढ कहे जाने वाले वैश्य समाज को अन्य क्षेत्रों में भी आगे आने की आवश्यकता है। प्रदेश महामंत्री इंजी सुनील कोठारी ने कहा कि वैश्य महासम्मेलन सभी वैश्य घटकों का एक परिवार है, हम अपनी आने वाली पीढ़ी को अभी से संगठन में सहभागी कर वैश्य वर्ग के सुदृढ़िकरण हेतु निरंतर प्रयासरत रहें। जिला अध्यक्ष अजय जैन ने अपने संबोधन में अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि देश भर में तीन सौ से अधिक वैश्य घटक हैं, जिसमें से लगभग तीस घटक हमारे जिले में निवासरत हैं, और सभी घटकों की संगठन में सक्रिय सहभागिता है। नरसिंहपुर जिले में के संगठन के माध्यम से वैश्य वर्ग की मजबूती हेतु विविध कार्यक्रम एवं गतिविधियां उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर चलायमान है। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के जिला सम्मेलन नरसिंहपुर में जिले में निवासरत विभिन्न वैश्य घटकों के अध्यक्ष गण सहित धर्म, संस्कृति, शिक्षा, चिकित्सा, पर्यावरण, खेल कूद, पत्रकारिता, राजनैतिक-प्रशासनिक, संगीत, महिला सशक्तिकरण एवं समाज सेवा के विविध क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले वैश्य बंधुओं एवं मातृ शक्तियों को नरसिंह वैश्य विभूति अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री (संगठन) विनीत नेमा एवं नरसिंहपुर तहसील प्रभारी आशीष नेमा तुलसी एवं आभार प्रदर्शन कार्यकारी जिलाध्यक्ष सुधीर जैन के द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मिनेंद्र डागा, संभाग उपाध्यक्ष नवनीत चाचा, संभाग संगठन मंत्री अनिल गुप्ता, युवा इकाई संभाग अध्यक्ष इंजी जितेंद्र गुप्ता, जिला प्रभारी बी डी सोनी, महिला इकाई जिलाध्यक्ष सपना जैन, युवा इकाई जिला प्रभारी अमित जैन, युवा इकाई जिलाध्यक्ष आयुष कठल, जिला पदाधिकारी राजेश गुप्ता सहित सभी तहसीलों के पदाधिकारियों व वैश्य बंधुओं व मातृ शक्ति की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

गाय को ग्राम माता घोषित करने का होगा शंखनाद

'दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। 10 हजार गांवों में गाय को ग्राम माता का दर्जा दिलाने के लिए 7 जुलाई को तुलसी मानस भवन में संकल्प के साथ 90 दिवसीय गौ रक्षा जागरण यात्रा का शंखनाद किया जाएगा। आज संत बृज बिहारी सरकार अनिकेत कृष्ण शास्त्री महाराज के सानिध्य में सुबह 11 बजे से 1.30 बजे तक आयोजित महा दरबार में संकल्प को दोहराकर यात्रा की घोषणा की जाएगी। यात्रा के दौरान लक्षित ग्रामों में पहुंचकर लोगों को गौ संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूक करते हुए धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में गाय के महत्व को प्रतिपादित किया जाएगा। सभी धर्मावलंबियों से उपस्थिति का आग्रह कर किस अभियान को सफल बनाने की अपेक्षा की गई है।

खेल-व्यापार

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरूआती कारोबार में गिरावट

नई दिल्ली। एशियाई बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को शुरूआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर चिंताओं के बीच शुरूआती कारोबार में बाजार में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। भारत समेत कई देशों पर लगाए गए अमेरिकी शुल्क की 90 दिन की निलंबन अवधि नौ जुलाई को समाप्त हो रही है। अमेरिका भेजे जाने वाले भारतीय सामानों पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की घोषणा की गई है।

बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 170.66 अंक की गिरावट के साथ 83,262.23 अंक जबकि एनएसई निफ्टी 53.75 अंक फिसलकर 25,407.25 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक और सन फार्मा के शेयर नुकसान में रहे।

ट्रेंट, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व और एचडीएफसी बैंक के शेयर फायदे में रहे। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट तथा हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे।

दक्षिण कोरिया का कॉस्पी फायदे में रहा। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67.87 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 760.11 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

इंग्लैंड कोच ब्रेंडन मैक्कुलम का टूटा घमंड टीम इंडिया को हल्ले में लेना पड़ा भारी

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने इंग्लैंड को उसी के घर पर उसके अंदाज में ही खेलकर हराकर सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। इस हार के बाद इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैक्कुलम ने माना दूसरे टेस्ट में उनकी टीम की भारी हार राजनीतिक गलती थी। हार के बारे में बात करते हुए मैक्कुलम ने माना टॉस के समय उनकी टीम ने एक गलती कर बैठी। सोचा नहीं था कि पिच ऐसा खेल दिखाएगी और इतने सारे रन बन जाएंगे।

फ्लैट ट्रैक पर इंग्लैंड ने भारत को पहली पारी में 200 रन पर 5 विकेट गिरने के बाद वापसी का मौका दिया। गिल के बेहतरीन दोहरे शतक के दम पर भारत ने 587 रन का बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जहां बेअसर दिखे वहीं मोहम्मद सिराज और आकाशदीप ने एजबेस्टन की पिच को समझा और अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर मेजबान टीम को 407 रन पर समेट दिया। बर्मिंघम टेस्ट के आखिरी दिन भारत ने आकाशदीप के दूसरी पारी में 6 विकेट के दम पर 336 रन की बड़ी जीत दर्ज की। एजबेस्टन में पहली बार किसी भारतीय टीम को टेस्ट जीत मिली है। इंग्लैंड के सामने भारत ने जीत के लिए 608 रन का विशाल लक्ष्य रख दिया। यहां से उनके लिए जीतना नामुमकिन हो गया था।

मैकुलम ने कहा कि उन्होंने टॉस के समय एक मौका गंवाया और पूरे मैच में पिछड़ गए। मैकुलम ने बीबीसी टेस्ट मैच स्पेशल को बताया कि, मुझे लगता है कि जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, हमने शायद उस टॉस को देखा और कहा कि क्या हमने वहां एक मौका गंवाया और ये शायद सही है।

इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में भी पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया और पहली पारी में 470 से ज्यादा रन लीक किए। दूसरी पारी में वापसी करते हुए चौथी पारी में 371 रन बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज की। कोच ने आगे कहा कि, हमने उम्मीद नहीं की थी कि विकेट ऐसा खेलेगा और इसलिए हमने शायद इसे थोड़ा गलत समझा। हमने उन्हें 200 पर 5 आउट कर दिया था। और हम उस स्थिति का फायदा उठाने में नाकाम रहे। जब आप टॉस जीतकर गेंदबाजी करते हैं तो आप उम्मीद करते हैं कि विपक्षी टीम 580 रन नहीं बनाएगी। इसी जगह हम मार खा गए और पिछड़ गए।

जबलपुर प्रशासन और नगर निगम को बड़े हादसे का इंतजार?

90% बड़े मॉल, दुकानें और शॉपिंग मार्ट्स बिना सुरक्षा मानकों के संचालित

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर शहर में तेजी से बढ़ती व्यावसायिक गतिविधियों के बीच बड़े-बड़े मॉल, शॉपिंग मार्ट और दुकानों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी से बड़ा हादसा कभी भी हो सकता है। प्रशासन और नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं और मानों किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं।

एक ही प्रवेश और निकास द्वार, बड़ी दुर्घटना को दे रहे न्योता

शहर के लगभग 90% बड़े मॉल और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में एक ही प्रवेश और निकास द्वार है। यही रास्ता ग्राहकों के आने-जाने और माल की सप्लाई के लिए भी उपयोग किया जाता है। बड़ी संख्या में ग्राहक इन्हीं रास्तों से अंदर आते-जाते हैं। आपात स्थिति में, जैसे आग लगने या किसी अन्य हादसे के समय, ये संकरे और अवरुद्ध रास्ते भारी जनहानि का कारण बन सकते हैं।

फायर एनओसी और पार्किंग की अनुमति अधूरी या फर्जी

जांच करने पर सामने आया कि अधिकांश बड़े मॉल और दुकानों ने न तो सही ढंग से फायर एनओसी ली है और न ही पार्किंग की समुचित व्यवस्था की है। कई मॉल्स में फायर सेफ्टी उपकरण केवल दिखावे के लिए लगे हैं और काम करने की स्थिति में नहीं हैं। वहीं दूसरी ओर, प्रशासन द्वारा फायर एनओसी और पार्किंग अनुमति की अनदेखी कर इन व्यापारिक प्रतिष्ठानों को संचालन की इजाजत दी जा रही है।

दरवाजे के सामने खड़ी गाड़ियाँ, एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड के लिए बड़ा अवरोध

शहर के मॉल्स और बड़े दुकानों के मुख्य द्वार पर ही ग्राहक और मालिक अपनी गाड़ियाँ खड़ी कर देते हैं। नतीजतन किसी आपात स्थिति में एम्बुलेंस या फायर ब्रिगेड वाहन का प्रवेश असंभव हो जाता है। संकरे रास्तों और अवैध पार्किंग के चलते बचाव कार्य बुरी तरह प्रभावित होने की पूरी संभावना रहती है।

प्रशासन और नगर निगम की भूमिका पर उठ रहे सवाल

सवाल यह उठता है कि जब नगर निगम और जिला प्रशासन को इन खामियों की जानकारी है, तो कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या वे किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेंगे? स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि शहर में संचालित सभी मॉल्स और बड़े दुकानों की फायर सेफ्टी ऑडिट हो, और नियमों का पालन न करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

क्या जरूरी हैं सुधार के लिए कदम?

सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का अग्नि सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य किया जाए। पार्किंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और सड़क पर पार्किंग करने वालों पर जुमार्ना लगाया जाए। आपात निकास द्वार बनवाए जाएं और उनकी नियमित जांच हो। बिना फायर एनओसी और पार्किंग अनुमति वाले प्रतिष्ठानों पर तत्काल कार्रवाई हो।

मोबाइल, मौन और माया .... अंजुमन की क्लास में पढ़ाई कम, राजनीति ज्यादा

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पिछली कड़ी में हमने बताया था कि अंजुमन स्कूल में प्रिंसिपल का पद तमाशा बन चुका है, और कमेटी रिश्तेदारी की जंजीर में जकड़ी हुई है। पर जो अब सामने आ रहा है, वो इस बात का प्रमाण है कि अंजुमन अब सिर्फ. स्कूल नहीं, एक राजनीतिक अखाड़ा बन चुका है .... और यहाँ की टीचिंग स्टाफ किसी विधायिका से कम नहीं।

मोबाइल शौक की मल्लिका .... क्लास के बीच में Instagram

एक शिक्षिका हैं .... नाम नहीं लेंगे, पहचान सबको है। पर किताबों से ज्यादा लगाव उन्हें अपने मोबाइल से है। अंजुमन अध्यक्ष अन्नू अनवर ने जब यह शिकायत सुनी तो फौरन क्लास शुरू होने से पहले मोबाइल जमा कराने का आदेश दिया।

पर जरा सुनिए चालाकी का स्तर ....

मैडम एक बिना सिम वाला डमी मोबाइल जमा करती हैं, वह मोबाइल उनकी माँ का है..और असली मोबाइल किताबों के बीच में रखकर, जैसे क्लास नहीं, कोई मोबाइल-रील शूटिंग स्पॉट हो।

ऐसे में बच्चों को कौन पढ़ाएगा? मोबाइल या मैडम?

हड़ताल के मंच पर अभिनय, और अब मौन की मुद्रा कुछ महीने पहले अंजुमन के शिक्षकों ने प्राचार्य को हटाने के लिए धमकी दी थी कि अगर उन्हें नहीं हटाया गया तो हड़ताल करेंगे। सब मीडिया के सामने लाइन से बयान दे रहे थे।

अब जब उन बयानों पर जांच बैठी है ....

सभी शिक्षिकाएँ मौन साध चुकी हैं।

किसी को याद नहीं कि क्या दिक्कत थी प्रिंसिपल से। क्या ये कोई सामूहिक भूल है या सामूहिक झूठ?

अगर समस्या थी तो बताने में क्या डर है? और अगर नहीं थी, तो हड़ताल की धमकी क्यों?

जांच से भागना = झूठ का स्वीकार?

हमने जब इस मुद्दे को उठाया, तो अध्यक्ष अन्नू अनवर ने जांच समिति गठित की। पर जैसे ही जांच का नाम आया, सभी पक्ष पीछे हटने लगे।

अब यह कौन सा शिक्षा-तंत्र है जिसमें आरोप लगाने वाले खुद जवाब देने से भागते हैं?

क्या यह वही शिक्षा है जिसमें छात्रों को सच्चाई सिखाई जाती है?

रिपोर्ट मोहम्मद अकरम अंसारी

राजनीति के रिश्ते और क्लासरूम की कलंक कथा

उपरोक्त मोबाइल मैडम के गहरे ताल्लुकात पूर्व उपाध्यक्ष से बताए जाते हैं .... और शायद इसीलिए उन्हें लगता है कि उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकती।

पर अब यह भी तो देखना होगा कि वो पूर्व उपाध्यक्ष खुद गलगला के दलदल में फंसे हुए हैं ....

वे खुद अपने गिरेबान बचाने में लगे हैं, किसी और को क्या निकालेंगे?

बस एक ही मांग .... सिर्फ पढ़ाई, सिर्फ पढ़ाई, सिर्फ पढ़ाई

इस पूरे प्रकरण में एक बात बिल्कुल स्पष्ट हो जाती है ....

अंजुमन स्कूल को राजनीति से नहीं, पढ़ाई से सुधारा जा सकता है।

अध्यक्ष अन्नू अनवर की यह बात सराहनीय है कि वो इस राजनीतिक गंदगी के बीच भी सुधार की कोशिश कर रहे हैं। पर कोशिश तब तक अधूरी है जब तक...

मोबाइल चलाने वालों पर कार्रवाई न हो

झूठे हड़तालियों को सामने लाकर जवाब न मांगा जाए

रिश्तों के आधार पर बिठाए गए शिक्षकों को हटाकर योग्य लोगों को मौका न दिया जाए

शिक्षा का मंदिर या संबंधों का बाजार?

जब एक शिक्षक किताब से ज्यादा मोबाइल को पकड़े, जब दूसरे शिक्षक प्राचार्य के हटाने की धमकी दे पर बाद में मौन साध लें, जब तीसरे शिक्षक को पद सिर्फ रिश्तेदारी के नाम पर मिल जाए ....

तो ऐसे माहौल में बच्चे क्या सीखेंगे?

अंजुमन को फिर से "शिक्षा का मंदिर" बनाना है तो सबसे पहले राजनीति की सफाई, शिक्षक की जवाबदेही और प्रशासन की पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी। वरना आने वाले दिनों में अंजुमन में पढ़ाई की जगह राजनीति और तमाशे का सिलेबस पढ़ाया जाएगा।

रिपोर्ट मोहम्मद अकरम अंसारी

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार, कट्टा, कारतूस और मोटरसाइकिल जब्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। अवैध हथियारों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जबलपुर पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना बरेला अंतर्गत चौकी गौर पुलिस ने एक युवक को देशी कट्टे और जिंदा कारतूस के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर जिलेभर में अवैध हथियारों और मादक पदार्थों के खिलाफ सघन अभियान जारी है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा एवं उप पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आकांक्षा उपाध्याय के मार्गदर्शन में चौकी गौर की टीम ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए आरोपी को धरदबोचा।

ऐसे मिली सफलता

थाना प्रभारी बरेला विजय कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि 7 जुलाई की रात चौकी गौर को एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक युवक देशी कट्टा लेकर मंगेली की ओर से मोटरसाइकिल पर आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने गौरईयाघाट मंगेली रोड के समीप एकता मार्केट के पास घेराबंदी कर दी। थोड़ी देर में एक युवक मोटरसाइकिल से आता दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर भागने लगा। तत्परता दिखाते हुए टीम ने उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया।

पहचान और बरामदगी

पूछताछ में युवक ने अपना नाम आकाश सोधिया (21 वर्ष) निवासी संतोषी माता मंदिर के पास, सिद्धबाबा, लालमाटी थाना घमापुर, हाल निवासी पीली बिल्डिंग तिलहरी थाना बरेला बताया। उसकी तलाशी में एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली। आरोपी के विरुद्ध धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की गई।

टीम की सक्रियता और नेतृत्व की सराहना

इस पूरी कार्रवाई में चौकी प्रभारी गौर उप निरीक्षक टेकचंद शर्मा के कुशल नेतृत्व और तत्पर निर्णय का अहम योगदान रहा। उनके साथ सहायक उप निरीक्षक सोमनाथ अहिरवार एवं आरक्षक विनय की सतर्कता और टीम भावना भी प्रशंसनीय रही। टीम ने मिलकर संभावित अपराध को समय रहते विफल कर क्षेत्र में सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई।

रिपोर्ट आरती लोधी

किसान की इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थिति में मौत

मौत से पहले बनाया वीडियो, बोला-पुलिस ने पीटा-पैसे मांगे, दूसरे मामले में संदेही था किसान

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर के बेलखेड़ी गांव निवासी 30 वर्षीय किसान लोचन सिंह लोधी की इलाज के दौरान सोमवार को संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने बेलखेड़ा पुलिस पर पूछताछ के दौरान मारपीट करने और हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज में छोड़कर भागने का आरोप लगाया है। उन्होंने जिम्मेदार पुलिस कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की है। हालांकि थाना प्रभारी गाजीवती पुसाम ने आरोपों को नकार दिया है। उनका कहना है कि युवक कुछ खाकर गंभीर हालत में थाने पहुंचा था, जिसे इलाज के लिए पुलिस ने ही अस्पताल पहुंचाया। बेलखेड़ी गांव की 60 वर्षीय कल्लू बाई ने 1 जून 2025 को फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली थी। मामले की जांच में पुलिस को पता चला कि लोचन सिंह लोधी और उसका साथी प्रदीप सिंह महिला के घर अक्सर जाया करता था। संदेह के आधार पर पुलिस पूछताछ के लिए दोनों को लगभग रोज थाने बुला रही थी। मृतक के परिजनों का कहना है कि 5 जुलाई से पुलिस ने लोचन के साथ मारपीट शुरू कर दी। रात को जब वह घर पहुंचा तो डरा हुआ था। लोचन सिंह का मौत से पहले का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें उसने आरोप लगाया है कि पुलिस पूछताछ के लिए थाने बुलाती और मारपीट करती थी। मुझसे पैसे भी मांगे जाते थे। 38 सेकंड का यह वीडियो मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उसके परिजनों ने ही बनाया है। सोमवार को एसपी ऑफिस पहुंचे परिजनों ने मामले की जांच और जिम्मेदारों पर कार्यवाही की मांग की है। मृतक के भाई रूपसिंह ने बताया कि उसका भाई खेती-किसानी करता था। कल्लू बाई की मौत के मामले में पुलिस को लोचन और प्रदीप पर शक था। 1 जुलाई को पुलिस लोचन को पकड़कर थाने लाई और 4 जुलाई तक थाने में रखा और फिर छोड़ दिया। थाना प्रभारी गाजीवती पुसाम ने बताया कि मृतका के रिश्तेदारों ने बताया था कि लोचन गलत नीयत से कल्लू बाई को परेशान करता था। दो साल पहले पंचायत में शिकायत भी हुई थी। पूर्व सरपंच ने डांट भी लगाई थी। लोचन शराब पीने का आदी था। उसका विवाह नहीं हुआ था और वह मृतका के घर से 500 मीटर की दूरी पर रहता था।

जबलपुर में गांजा तस्करी का भंडाफोड़: एक महिला सहित चार तस्कर गिरफ्तार, 11 किलो 835 ग्राम गांजा और मोबाइल जब्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच और दो थानों की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला सहित चार गांजा तस्करों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से कुल 11 किलो 835 ग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी बाजार कीमत करीब 2 लाख 37 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने गांजा के साथ दो मोबाइल फोन और तस्करी में प्रयुक्त बैग भी जब्त किए हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के दिशा-निर्देशन में की गई, जिन्होंने जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थ और शराब की तस्करी पर लगाम कसने के निर्देश दिए हैं। उक्त कार्रवाई अपराध एएसपी आनंद कलादगी, एएसपी जोन-2 समर वर्मा, सीएसपी ओमती सोनू कुर्मी, सीएसपी गढ़ा आशीष जैन और डीएसपी क्राइम उदयभान बागरी के मार्गदर्शन में की गई।

रेलवे स्टेशन के पास तीन युवक गांजे के साथ गिरफ्तार– थाना सिविल लाइंस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई में रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर 1 के सामने स्थित पार्किंग बूथ के पीछे से तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया। इन्हें मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया जब वे ग्राहक की तलाश में गांजा लेकर खड़े थे।

गिरफ्तार आरोपियों में शामिल हैं: रूपेश कुमार रैकवार (35), निवासी ग्राम उमरिया चौबे, पनागर तुषार जाटव (25), निवासी सिंधी कैंप, हनुमानताल अभिषेक विश्वकर्मा (19), निवासी ज्योति नगर, गढ़ा पुलिस को देखकर तीनों भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन मुस्तैद टीम ने घेराबंदी कर उन्हें मौके पर ही धर दबोचा। तलाशी के दौरान रूपेश के बैग से पारदर्शी पन्नी में पैक गांजा, तुषार के थैले से गांजा और अभिषेक के बैग से भी गांजा बरामद हुआ। कुल

6 किलो गांजा, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 20 हजार 700 रुपये है, जब्त किया गया। साथ ही, रूपेश के पास से रियलमी मोबाइल और अभिषेक के पास से आईफोन भी बरामद किया गया। तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें हिरासत में लेकर गांजा की आपूर्ति की जड़ तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

टीम की सराहनीय भूमिका– इस कार्रवाई को अंजाम देने में चौकी प्रभारी टेकचंद शर्मा, सुमित मिश्रा, गणेश तोमर, राजेश पटैल, विनोद बंसल, शैलेष मिश्रा (थाना प्रभारी अपराध), नरेश पासी, अखिलेश पांडे, रूस्तम अली, गोविंद राय, अमित पटैल, अरविंद सिंह और आरपीएफ आरक्षक पंकज सिंह की भूमिका अहम रही।

गंगासागर मंदिर के पास महिला तस्कर गिरफ्तार– इसी रात एक अन्य कार्रवाई में थाना गढ़ा और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने एक महिला तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी महिला गंगासागर तालाब मंदिर के पास अंग्रेजी शराब बेचने के बहाने गांजा तस्करी कर रही थी।

गिरफ्तार महिला की पहचान यशोदा ठाकुर (42) निवासी शारदा चौक, शिव किराना के पीछे, गढ़ा के रूप में हुई है। तलाशी लेने पर उसके पिट्ठू बैग से 5 किलो 835 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 16 हजार 700 रुपये है। महिला के खिलाफ भी धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उससे पूछताछ जारी है कि वह गांजा कहां से और किससे लेकर आई थी।

महिला की गिरफ्तारी में टीम की सक्रियता– इस कार्रवाई को सफल बनाने में उप निरीक्षक योगेन्द्र सिंह, अरुण रघुवंशी, महिला आरक्षक प्रियंका, आरक्षक सिद्धार्थ, दीप्ति मिश्रा, शैलेष मिश्रा (थाना प्रभारी अपराध), नरेश पासी, अखिलेश पांडे, रूस्तम अली, गोविंद राय, अमित पटैल और अरविंद सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एक ही दिन दो बड़ी कार्रवाइयों के माध्यम से जबलपुर पुलिस ने गांजा तस्करी पर कड़ा प्रहार किया है। इस प्रकार की संगठित तस्करी में महिलाओं की संलिप्तता और स्टेशन परिसर जैसी सार्वजनिक जगहों पर नशे का कारोबार, शहर की कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। हालांकि, पुलिस की त्वरित और सटीक कार्रवाई यह स्पष्ट संकेत देती है कि अवैध गतिविधियों को अब शहर में पनपने नहीं दिया जाएगा।

रिपोर्ट लुकमान अंसारी

नेत्र हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग है, इनकी देखभाल में न हो लापरवाही: कुलगुरू प्रो. वर्मा

वि.वि. के वैदेही स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। नेत्र हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग है। इसलिए हमें इनकी देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए और समय-समय पर इनकी जांच करवाते रहना चाहिए। दिन प्रतिदिन नेत्रों से संबंधित कई बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं, लेकिन लोग अपने कामकाज में इस प्रकार डुबे हुए हैं कि इसकी ओर कोई विशेष ध्यान नहीं देते है। यदि समय पर उपचार किया जाए तो नेत्र रोगों से बचा जा सकता है। ये बात माननीय कुलगुरू प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने सोमवार को विवि प्रवेश सहायता एवं कैरियर मार्गदर्शन केंद्र, आइक्यूएसी (सभा भवन) में आयोजित निःशुल्क नेत्र स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के उद्घाटन अवसर पर कही। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के वैदेही स्वास्थ्य केंद्र ,कौशल विकास संस्थान तथा एएसजी नेत्र चिकित्सालय, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में विवि कुलसचिव डॉ. आरके बघेल के निर्देशन में आयोजित निःशुल्क नेत्र स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के शुभारंभ अवसर पर प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रभारी आचार्य वैदेही स्वास्थ्य केंद्र ने कहा कि नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल है, इसका मुख्य उद्देश्य दृष्टि संबंधी समस्याओं का पता लगाना, उनका इलाज करना और लोगों को आंखों की देखभाल के महत्व के बारे में शिक्षित करना है। शिविर में एएसजी नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. कुलदीप त्रिपाठी ने नेत्र परीक्षण शिविर में टीम द्वारा व्यापक नेत्र परीक्षण किया, जिसमें दृश्य तीक्ष्णता, आंखों के दबाव और ग्लूकोमा, मोतियाबिंद और रेटिना संबंधी समस्याओं जैसी सामान्य आंखों की स्थितियों की जांच शामिल रही। एएसजी मैनेजर नितीश जायसवाल, मोह. इकबाल ने बताया कि शिविर में लोगों को आंखों की देखभाल के महत्व और नियमित जांच के बारे में जानकारी दी गई है। जिससे लोग अपनी आंखों के स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक हों, और उचित देखभाल के लिए सजग रहे। शिविर उद्घाटन कार्यक्रम में प्रो भारत कुमार तिवारी, डॉ लोकेश श्रीवास्तव, डॉ. एस.सी. चांदवानी, एन एस एस समन्वयक डॉ शोभा राम मेहरा, डॉ. महेन्द्र श्रीवास्तव, डॉ अजय गुप्ता, डॉ आर के गुप्ता, विवि कर्मचारी संघ अध्यक्ष वीरेंद्र पटेल, महासचिव राजेंद्र शुक्ला, प्रेम पुरोहित, सत्येन्द्र मिश्रा, रजनीश त्रिपाठी, डॉ अजय मिश्रा, डॉ विनय तिवारी, डॉ. आशारानी, डॉ. जया सिंह, इंजी. महावीर त्रिपाठी आदि का सक्रिय योगदान रहा। शिविर में लगभग 200 लोगों ने अपने नेत्रों का निःशुल्क परीक्षण करवा कर इस आयोजन का लाभ लिया।

सिविल लाइन और गढ़ा से 12 किलो गांजा जब्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। सिविल लाइन और गढ़ा थानाक्षेत्र से पुलिस ने गांजा तस्करी में लिप्त पांच आरोपियों को दबोचा है, जिनमें एक महिला भी शामिल है। सभी आरोपियों को अग्रिम कार्रवाई के लिए संबंधित थाना पुलिस केसुपुर्द किया गया है। जानकारी के मुताबिक क्राइम ब्रांच को मुखबिर ने सूचना दी कि सिविल लाइन क्षेत्र में चार लड़के गांजा तस्तरी कर रहे हैं और यदि जल्द ही दबिश दी जाए तो उन्हें पकड़ा जा सकता है। जिसके बाद क्राइम ब्रांच ने मौके पर पहुंचकर सभी को दबोचा और उनके पास से 6 किलो गांजा जब्त किया। इसी तरह गढ़ा थानाक्षेत्र के गुलौआ चौक से भी टीम ने 6 किलो गांजा के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के नाम रुपेश रैकवार, तुषार जाटव, अभिषेक विश्वकर्मा, लोकेश सोनकर और यशोदा ठाकुर बताए जा रहे हैं। जिन्हें पकड़ने में एएसआई नरेश पासी, प्रधान आरक्षक अखिलेश पांडे, रुस्तम अली, आरक्षक गोविंद राय, महिला आरक्षक दीप्ति मिश्रा, साइबर सेल के प्रधान आरक्षक अमित पटेल और आरक्षक अरविंद सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स, वार्ड वॉय, आया बाई, फिजियोथैरेपी और दवाईयॉ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो. जितेन्द्र पटैल
CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556, 9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल मोल बाजार जबलपुर (म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्र्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN39695 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592

तेज बहाव में कार बही, पति-पत्नी समेत 2 बच्चो की मौत, पंचायत कर्मी व पटवारी का निलबंन का प्रस्ताव

पति-पत्नी थे शासकीय कर्मचारी, मंत्री ने 25,25 हजार रुपए देने की घोषणा की

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। रविवार की रात्रि अनूपपुर जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर अमरकंटक रोड पर सजहा नाले में एक कार रात में बह गई। कार में पति-पत्नी और दो बच्चे सवार थे। जिसे एसईसीएल कर्मी 38 वर्षीय चंद्रशेखर यादव चला रहें थे। कार में पत्नी 37 वर्षीय प्रीति यादव, 8 वर्षीय बेटा रेयांश और बेटी 2 वर्षीय सीबी की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को चारों के शव बरामद कर लिए हैं। अनूपपुर निवासी चंद्रशेखर यादव अपनी पत्नी प्रीति और दो बच्चों के साथ रविवार को अमरकंटक गए थे। प्रीति यादव जिला चिकित्सालय में नर्स के पद पर कार्यरत थीं। प्रीति का शव रविवार को घटनास्थल से 5 किमी दूर मिला था। जबकि पति और दो बच्चों के शव सोमवार को 9 किमी के दायरे में मिले। जानकारी अनुसार सोमवार की समय सीमा बैठक में कलेक्टर हर्षल पंचोली ने घटना नारजगी व्यक्त करते हुए ग्राम औढ़ेरा के पटवारी संजीव सिंह, पंचायत सचिव कल्याण सिंह एवं रोजगार सहायक पर कार्यवाही करने के निर्देश सीईओ जिला पंचायत को दिये हैं। परिवार को ढाढस

बधाने के लिए मध्य प्रदेश कुटीर एवं ग्राम उद्योग राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल जिला चिकित्सालय अनूपपुर पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। दिलीप जायसवाल ने पीड़ित परिवारों को विधायक निधि से 25,25 हजार रुपए देने की घोषणा की हैं। जानकारी अनुसार चंद्रशेखर यादव मूल रूप से बाबा कालोली बदरा के रहने वाले थे। वह सोहागपुर एसईसीएल में फोरमैन के पद पर कार्य करते थे। रविवार छुट्टी का दिन था, इसलिए परिवार के साथ अमरकंटक घूमने गए थे। हादसा रात करीब 7 बजे हुआ। वापसी के दौरान जब सजहा पुल पर पानी का बहाव तेज था। दोनों तरफ कई वाहन रुके थे। लोगों ने चंद्रशेखर को भी पुल पार न करने की सलाह दी, लेकिन एक बस के पुल पार करने के बाद चंद्रशेखर ने भी हिम्मत कर कार आगे बढ़ाई। इसी दौरान पुल का एक हिस्सा टूट गया और तेज बहाव में कार बह गई। पुलिस ने सोमवार दोपहर चंद्रशेखर और उनके दो बच्चों का शव बरामद किया। ज्ञात हो कि रविवार देर रात पत्नी प्रीति का शव मिल चुका था। ज्ञात हो कि जिले में तीन दिनों से भारी बरसात के कारण नदी लाने कान पर हैं। प्रत्यक्षदर्शी जसमत सिंह बंजारा ने बताया कि पुलिया में पानी ज्यादा होने के कारण पहले एक कार आई, जिसे आसपास के लोगों ने निकाल लिया था। उसके थोड़ी देर बाद एक बस निकली। बस के पीछे ही चंद्रशेखर यादव कार सवार अपने परिवार के साथ तेज बहाव में पुलिया पार करने लगे। पास ही स्थित वेयरहाउस के कर्मचारी उन्हें पुलिया पार करने के लिए बार-बार मना कर रहे थे। जसमत सिंह बंजारा ने बताया कि शाम करीब 6 बजे पुलिया में पानी ऊपर तक आ गया था। पुलिया में पेड़-पौधे फंसने की वजह से पानी सड़क पर आया। पानी का बहाव इतना तेज था कि हमें घर से सामान निकालने का मौका नहीं मिला। घर का दरवाजा लगाकर पास ही स्थित एक पक्के मकान की छत पर चढ़ गए। इसी दौरान हमने ये हादसा देखा। चंद्रशेखर यादव की माता-पिता का पहले ही देहांत हो चुका था। चंद्रशेखर यादव अपनी परिवार के साथ अनूपपुर में रहता था। इस दुर्घटना में पूरा पारिवार खत्म हो गया। पत्नी प्रीति यादव की माता-पिता का रो-रो कर बुरा हाल हैं। वह अपने बेटी और दामाद, बच्चों का शव देखने के लिए जिला चिकित्सालय अनूपपुर पहुंचे। परिवार को सांत्वना देने के लिए मध्य प्रदेश कुटीर एवं ग्राम उद्योग राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल भी जिला चिकित्सालय अनूपपुर पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। दिलीप जायसवाल ने पीड़ित परिवारों को विधायक निधि से 25,25 हजार रुपए देने की घोषणा की हैं।

ताजिया देखने गए युवक की 4 लोगो ने की हत्या, विरोध में लोगों ने किया चक्का जाम

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरानी बस्ती में बीती रात एक घटना में 19 वर्षीय देवराज वंशकार पर चार अज्ञात बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। घटना तब हुई जब देवराज और उसके साथी ताजिया देखने गए थे। गंभीर रूप से घायल देवराज को तुरंत जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहाँ उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। उपचार के दौरान सोमवार की सुबह 8:00 बजे उसने दम तोड़ दिया। अंतिम यात्रा के दौरान लोगों ने सड़क पर चक्का जाम लगा दिया, जिससे आवागमन आधे

घंटे तक अवरुद्ध रहा। घटना के बाद मृतक के परिजनों और स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश फैल गया। कोतवाली के इंद्रा चौक पर सैकड़ों लोगों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया, उनकी मांग थी कि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और उन्हें कठोर सजा दी जाए। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर लेट कर अपना विरोध जताया, जिससे मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। चक्का जाम के दौरान पुलिस मौके पर मौजूद रही, विरोध कर रहे लोगों को समझा बूझकर पुलिस ने उठाया है। जब तक चारों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई थी। यह चौक शहर का हृदय स्थल कहलाता है। इस मार्ग से लोग रेलवे स्टेशन बस स्टैंड एवं बुढार की ओर जाते हैं। स्थानीय निवासी और प्रदर्शन कर रहे लोगो ने कहा, यह एक बेहद दुखद घटना है। हम चाहते हैं कि पुलिस इस मामले में सख्त कार्रवाई करे। और हत्या में शामिल सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा पुलिस दिलाए। हालांकि पुलिस ने कुछ आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया है, आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है, इस मामले में पुलिस जल्द खुलासा करेगी।

कार बाइक में आमने-सामने जोरदार टक्कर, दो भाइयों की हुई मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले के भालूमाडा थाना अंतर्गत बदरा गौडारू नदी के पास दो पहिया वाहन एवं कार की आमने-सामने की भिड़ंत में बाइक में सवार दोनों चचेरे भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। भीषण सड़क हादसे में जहां मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए वहीं कार का सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्राप्त जानकारी अनुसार भालूमाडा थाना अंतर्गत बदरा गौडारू नदी के पास दो पहिया वाहन एवं कार की आमने-सामने की भिड़ंत में बाइक में सवार अमलाई निवासी दोनों चचेरे भाइयों में एक की मौके पर तो दूसरे कि चिकित्सालय मृत्यु हो गई। सड़क हादसे में जहां बाईक के परखच्चे उड़ गए वहीं कार का सामने का हिस्सा

पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर ही 38 वर्षीय राकेश सिंह गोंड की मौत होने का बाद वाहन चालक फरार हो गया। जबकि दूसरा घायल 44 वर्षीय कृष्ण पाल सिंह उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दुर्घटना की सूचना पर शिवांश सिंह ने मौके पर घायल कृष्ण पाल सिंह को अपने वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया था।

दस्तावेज व रुपए जमा करने के बाद बिजली विभाग ने नहीं दिया विद्युत कनेक्शन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कोतमा वितरण केन्द्र अंतर्गत ग्राम लतार निवासी अमित तिवारी को नया विद्युत कनेक्शन लेने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। बताया गया कि अमित तिवारी ने कंपनी द्वारा मांगे गए सभी आवश्यक दस्तावेज एवं शुल्क समय पर जमा कर दिए थे, इसके बावजूद उन्हें कनेक्शन देने से इंकार कर दिया गया। कंपनी का तर्क है कि अमित तिवारी के भाई के नाम पर पहले से एक कनेक्शन मौजूद है, जबकि अमित का कहना है कि वे अपने भाई से अलग रहते हैं और अलग मकान में

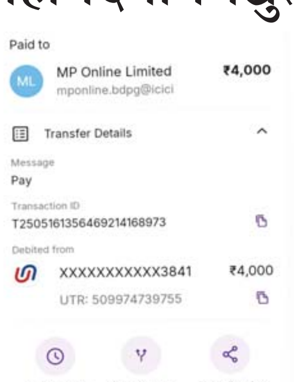

निवास करते हैं। इसके बावजूद कंपनी ने उन्हें बार-बार चक्कर कटवाए और अंत में कनेक्शन देने से मना कर दिया। अमित तिवारी ने इस अनियमितता के खिलाफ सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई है और जल्द से जल्द नया विद्युत कनेक्शन देने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर कनेक्शन देना ही नहीं था तो दस्तावेज और पैसे क्यों लिए गए? अमित ने इसे उपभोक्ता के साथ अन्याय बताया है और अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है।

सीईओ ने पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी को उत्कृष्ट कार्य करने पर किया सम्मानित

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायती सीईओ अभय सिंह ने जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा टीम उमरिया के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ने युवा टीम उमरिया की सराहना करते हुए कहा कि हिमांशु तिवारी व उनकी टीम जिले में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर जिले वासियों को जागरूक व प्रेरित करने में योगदान किया। युवा टीम के द्वारा मध्य प्रदेश शासन की अनेक योजनाओं की जानकारी व जागरूकता फैलाने का कार्य कर व एक पेड़ मां अभियान, स्वच्छता अभियान, जल गंगा संवर्धन अभियान, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, जल संरक्षण अभियान, महिला सशक्तिकरण, पौधारोपण, नशा मुक्ति, आदिवासी क्षेत्रों में निशुल्क कोचिंग क्लास, आदिवासी क्षेत्रों में सेनेटरी पैड नि:शुल्क वितरण, निशुल्क प्याऊ जल, स्वास्थ्य जागरूकता, दागना कुप्रथा अभियान, पक्षी मित्र अभियान, मतदाता जागरूकता अभियान जैसे आदि अभियानों में अपनी पूर्ण सहभागिता प्रदान की। प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते समय पर्यावरण मित्र हिमांशु तिवारी उपस्थित रहे।

बारिश से पुलिया टूटी, यात्रियों को हो रही हैं परेशानी

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। जिले के जनपद पंचायत करकेली अंतर्गत ग्राम पंचायत कोहका 82 के ग्राम छूहाई मे प्रधानमंत्री सड़क पर बनी पुलिया बारिश मे क्षतिग्रस्त हो गई, जिस कारण सड़क के बीचोबीच बडा गड्ढा हो गया, जिस कारण चार पहिया और बड़े वाहनो का आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया है। पहली बारिश में ही पुलिया टूट गई, लेकिन विभाग अपनी कमी छुपाने मिट्टी भर लीपापोती कर दिया लेकिन फिर वहीं हाल है, प्राप्त जानकारी के अनुसार नौरोजाबाद से कोहका 82 होते हुए शहपूरा जबलपुर जाने का यह सीधा रास्ता है, इसी मार्ग पर ग्राम पंचायत कोहका 82 के ग्राम छूहाई मे प्रधानमंत्री सड़क पर बनी पुरानी पुलिया बीते दिन भारी बारिश होने के कारण ढह गई है, जिस कारण लगभग 15 से 20 गाँव का सड़क के माध्यम से संपर्क टूट गया, प्राप्त जानकारी के

अनुसार इसी मार्ग से ज्यादा तर यात्री बसें शहपूरा जाती है और शहपूरा से इस क्षेत्र के लोगों को जबलपुर के लिए सीधे बस की मिलती है, लेकिन इसी मार्ग पर बनी पुलिया के क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण कई यात्री बसे दुलहरी मार्ग का सहारा लेकर शहपूरा तक पहुंची है, हालांकि उन्हें इस मार्ग से शाहपुरा पहुंचने तक 2 घंटे अधिक समय लग रहा है, जिस कारण बस यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, ग्राम छूहाई मे बनी पुलिया की क्षतिग्रस्त की सूचना न होने कारण कई बसे क्षतिग्रस्त पुल तक पहुंच गई, और उन्हें वहाँ से वापस आकर दूसरे मार्ग से जाना पड़ रहा है।

अनूपपुर भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने कार्यालय के छोटे कर्मचारियों को मिठाई खिलाकर मनाया जन्मदिवस

भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम का जिला कार्यालय में मनाया गया जन्मदिवस

जिले भर के जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सहित नागरिकों ने सभी में दी शुभकामनाएं

श्रीराम केवट अनूपपुर। जिले के भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम का जन्म दिवस 6 जुलाई मनाया गया जहां सर्वप्रथम जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने अपने माता-पिता का आशीर्वाद लेकर अमरकंटक रवाना हुए अमरकंटक पहुंचकर नर्मदा माता की दर्शन करने के बाद अनूपपुर जिला मुख्यालय स्थित भाजपा कार्यालय में पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं के साथ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती मनाया एवं नमन किया उसके बाद जिलाध्यक्ष

हीरा सिंह श्याम ने अपने जन्म दिवस कार्यक्रम का शुरूआत किये। केक काटते वक्त जिला अध्यक्ष श्री श्याम जी ने भाजपा कार्यालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर जगदीश प्रसाद कोल एवं भृत्य भूपेंद्र यादव को केक और मिठाई खिलाकर जन्मदिवस की पार्टी का शुरूआत किये वहीं भाजपा के छोटे से छोटे कार्यकताओं को भी मिठाई खिलाकर उनका मन उत्साहित किये और जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के परिवार से कोई भी सदस्य हो छोटा हो या बड़ा हो या फिर गरीब हो सभी मेरे बराबरी के हैं सभी मेरे भाई हैं और सभी के लिए जितना हो सके सहयोग किया जाएगा। जन्मदिवस कार्यक्रम में जिला महामंत्री जितेंद्र सोनी, जिला मंत्री ज्योति शर्मा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती रश्मि खरे , कार्यालय मंत्री चंद्रिका द्विवेदी ,किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष श्याम नारायण शुक्ला, वरिष्ठ नेता आनंद केसरवानी ,वरिष्ठ नेता नरेश मिश्रा,अनूपपुर मंडल अध्यक्ष शिवरतन वर्मा, वेंकट नगर मंडल अध्यक्ष विजय सिंह राठौर, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रवि राठौर , युवा मोर्चा महामंत्री जितेंद्र भट्ट ,युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष बृजेश चतुर्वेदी, दीपक पटेल, प्रदीप मिश्रा, जय दीक्षित ,प्रियम शुक्ला, चंद्रभान सिंह , विनोद तिवारी , बुद्ध सेन पटेल सहित भाजपा के जिला पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम को मिठाई खिलाकर बधाई शुभकामनाएं दिए ।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य मेघा पवार की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में संपन्न हुई। मेघा पवार ने कहा कि बाल संरक्षण से जुड़े सभी विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय एवं सहयोग से कार्य करते हुए बेहतर परिणाम दें। उन्होंने कहा कि पास्को एक्ट से पीड़ित बच्चियों की सहायता के लिए सिंगल विंडो परीक्षण व्यवस्था जिला अस्पताल में की जाए। आपने कहा कि कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने हेतु जिले में संचालित एनआरसी तथा एसएनसीयू में कोई भी बेड खाली नहीं रहें। चिन्हित बच्चों को उपचार की व्यवस्था

सुनिश्चित की जाए। बच्चों को नशे की प्रवृत्ति से बचाने हेतु ऐसे स्थल जहां लोग इकट्ठे होकर नशा करते हैं। उन स्थानों को चिन्हित किया जाए तथा पुलिस गस्त की व्यवस्था की जाए। शैक्षणिक संस्थाओं के आस-पास नशीले पदार्थों के विक्रय पर रोक लगाई जाए। शालाओं में बच्चों को दिए जाने वाला मध्यान्ह भोजन गुणवत्तायुक्त हो तथा पर्याप्त मात्रा में भोजन बच्चों को दिलाना सुनिश्चित किया जाए। स्कूल शिक्षा विभाग तथा डीपीसी को उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूलों में फीस वृद्धि 10 प्रतिशत से अधिक नहीं हो। स्कूली बच्चों को अशासकीय स्कूलों द्वारा किसी विशेष दुकान से पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जाए। ड्राप आउट बच्चों को शालाओं में दाखिला सुनिश्चित किया जाए।

ऑनलाइन ठगी का शिकार हुई दो बहनों ने खाया जहर, एक युवती की मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स बरघाट। बरघाट थाना अंतर्गत आंखीवाड़ा गांव में दो बहनों ने जहर खा लिया जिससे एक बहन की मौत हो गई वही दूसरी बहन गंभीर अवस्था में नागपुर अस्पताल में भर्ती है। सूत्रों से मिली जानकारी में बताया गया कि ऑनलाइन ठगी का शिकार हुई आंखीवाड़ा गांव दो युवती ने जहर खा लिया है जहर के सेवन से एक युवती की मौत हो गई है वहीं दूसरी युवती को गंभीर अवस्था में नागपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला ऑनलाइन का बताया जा रहा है, पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया है बरघाट पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रोटरी क्लब ऑड़ बालाघाट रॉयल ने की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की घोषणा, संदीप असाटी बने अध्यक्ष

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। रोटरी क्लब ऑड़ बालाघाट रॉयल ने वर्ष 2025-26 के लिए अपनी नई बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की घोषणा की है। सेवा, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए समर्पित रोटरी क्लब ऑड़ बालाघाट रॉयल ने गत दिनों एक मीटिंग के दौरान क्लब के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की गई। यह अवसर क्लब के लिए केवल नेतृत्व परिवर्तन का नहीं, बल्कि भविष्य के लिए नई ऊर्जा, नई सोच और नए सेवा प्रकल्पों की शुरुआत का प्रतीक भी है।

नए बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में अध्यक्ष संदीप असाटी, सचिव आशीष साहू और राजेश गांधी को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में पूर्व अध्यक्ष पुरषोत्तम चावला, उपाध्यक्ष अंकित अग्रवाल, रवि सचदेव, संयुक्त सचिव धनेंद्र कुमार राहंगडाले, संतोष नाहर, सर्जेंट एट आर्म्स असीम प्रदीप पाठक, प्रकाश गुरनानी, क्लब मेंटर कमलजीत सिंघ छाबड़ा, क्लब लर्निंग फैसिलिट्रेटर बलजीत सिंघ छाबड़ा, क्लब फाउंडेशन चेयर राजेन्द्र सिंह छाबड़ा, फाउंडेशन को-चेयर जयेश भाई परमार, मेंबरशिप चेयर मुकुल राठौर, यंग लीडर कांटेक्ट सौरभ हरिनखेड़े, यश कारड़ा (को-चेयर), पब्लिक इमेज चेयर लखविंदर सिंघ भंगल, पब्लिक इमेज को-चेयर राहुल तुरकर, इंटरनेशनल सर्विस डायरेक्टर हरजीत पालसिंघ राजपूत,को-डायरेक्टर गौरव कोचर, वोकेशनल सर्विस डायरेक्टर एड. विक्रम भूते, को-डायरेक्टर केशव परिहार, सर्विस प्रोजेक्ट चेयर नरेन्दर सिंघ छाबड़ा, को-चेयर संजय बेदी, अशोक जैन मेडिकल सर्विस डायरेक्टर डॉ. प्रदीप मेश्राम, को-डायरेक्टर बलविंदर पाल सिंघ राजपूत तथा मीडिया डायरेक्टर राजा सोनी और अरविंद अग्निहोत्री बनाए गए है।

रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट रॉयल के नवनियुक्त अध्यक्ष संदीप असाटी एवं सचिव आशीष साहू ने संयुक्त रूप

से बताया कि रोटरी क्लब ऑड़ बालाघाट रॉयल समाज सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और युवा नेतृत्व जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य करता आ रहा है। नई कार्यकारिणी के नेतृत्व में क्लब आने वाले वर्ष में विशेष रूप से संकल्प के साथ नि:शुल्क चिकित्सा शिविर एवं स्वास्थ्य जांच अभियान,गरीब विद्यार्थियों के लिए शिक्षा सामग्री वितरण, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम, युवा नेतृत्व विकास कार्यशाला और स्वच्छता, रक्तदान और महिला स्वास्थ्य से संबंधित सामाजिक प्रकल्प के आयोजन करेगा। जिससे निश्चित ही समाज के लोगों को इसका फायदा मिलेगा। उन्होंने बताया कि क्लब का उद्देश्य ही "सेवा से समाज निर्माण" है और यह कार्यकारिणी इस संकल्प को पूर्ण निष्ठा के साथ आगे बड़ाएगी।

क्लब अध्यक्ष संदीप असाटी, सचिव आशीष साहू एवं कोषाध्यक्ष राजेश गांधी ने सभी साथियों को नए बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में शामिल होने पर शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह टीम आने वाले वर्ष में सेवा कार्यों की नई ऊंचाइयां प्राप्त करेगी।

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स किरनापुर।

जिले भर में बीते दो दिनों से हो रही लगातार एवं मूसलाधार बारिश से समूचा जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। चारों तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है। लगातार बारिश होने के कारण क्षेत्र के नदी नाले भी लबालब भर गए हैं। वही निचले स्थानों में बरसात का पानी भर जाने से सभी को सतर्कता बरतने की सलाह प्रशासन द्वारा जारी की गई है।

किरनापुर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत पौनी में नदी मे बाढ़ आ जाने के कारण गांव के आसपास चारों ओर पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। ग्राम पंचायत पौनी से लगे ग्राम खोलमारा का नाला उफान पर है। यह नाला दर्जन से ऊपर नक्सल प्रभावित ग्रामों को जोड़ता है जो लगातार बारिश होने से उफान पर आ गया है जिससे आवागमन बाधित हो गया है लोग जान को जोखिम में डालकर नाला पार कर रहे हैं। ग्राम पंचायत पौनी के रोजगार सहायक फेकू लाल मात्रे के द्वारा अकेले ही देखरेख की जा रही है। क्षेत्र के निचले स्थानों के पुल पुलियों एवं सड़कों पर से बाढ़ का पानी बह रहा है। वही क्षेत्र के ग्राम पंचायत जामडी में ढोरिया परसवाड़ा से पानगांव पहुंच मार्ग पर बने नाले के ऊपर से पानी बहने से मार्ग को सुरक्षा के मद्देनजर बंद कर दिया गया है।

ग्राम पंचायत जामड़ी के जामडी से ढोरिया परसवाड़ा पीडब्ल्यूडी मार्ग के पुलिया के ऊपर पानी होने से मार्ग अवरूद्ध हो गया है ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए ग्राम पंचायत सरपंच गुणिराम बोहरे सहायक सचिव धनंजय नागवंशी, सचिव मारुति मिसारे, पटवारी संजय सिंह भदौरिया, कोटवार पति नीलकंठ देशाभरतार, मेट राधेश्याम निखाड़े के द्वारा एसडीएम साहब के निर्देशानुसार पुलिया के दोनो तरफ बास बल्ली से बेरीगेट्स लगा दिया गया और सावधान खतरा का बोर्ड भी लगा दिया गया है। साथ ही मुनादी के माध्यम से ग्रामीण जनों को बाढ़ और अधिक वर्षा होने की स्थिति में सावधान रहने तथा आकस्मिक स्थिति में महत्व पूर्ण सामग्री लेकर सुरक्षित स्थान पर जाने संबंधित कर्मचारियों से संपर्क करने सूचित कर दिया गया है। वही लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से आगामी दिनों मे बांधों के गेट खोलने से बाढ़ का खतरा और अधिक बने रहने की संभावना जताई जा रही है। जिसको देखते हुए प्रशासन द्वारा बाढ़ नियंत्रण सहायता कक्ष बनाकर हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं।

तेज बारिश की स्थिति में निर्माणाधीन छात्रावास भवन के धंसने का खतरा, वर्करों ने खोले राज

सीएम हेल्पलाइन और कलेक्टर से शिकायत के बाद, जांच में आए विभागीय अधिकारियों ने ठेकेदार को बचाने पक्षपात पूर्ण रिपोर्ट तैयार की

दैनिक रेवांचल टाइम्स बरघाट। करोड़ो की लागत से निर्माणाधीन छात्रावास भवन धंसने की संभावना बनी हुई है। घटिया सामग्री के इस्तेमाल से तैयार हो रहा है छात्रावास भवन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा है। छात्रावास भवन में हुए भ्रष्टाचार की लिखित शिकायत सिवनी कलेक्टर और सीएम हेल्पलाइन में की गई है लम्बे समय से शिकायत के बाद विभागीय अधिकारी मौके पर जांच करने पहुंचे और ठेकेदार को बचाने पक्षपात पूर्ण रिपोर्ट तैयार कर दी गई है और सिवनी कलेक्टर को गुमराह कर मामले को दबाने की कोशिश में विभागीय अधिकारी जुटे हुए है। सिवनी जिले के बरघाट विकासखंड अंतर्गत बेहरई गांव में करोड़ो की लागत से जूनियर आदिवासी बालक छात्रावास भवन निर्माणाधीन है, ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों की साठगांठ से गुणवत्ताहीन बन रहे छात्रावास भवन कीलिखित शिकायत ग्रामीण अनेकों बार संबधित विभागीय अधिकारी सहित सीएम हेल्पलाइन और जिला कलेक्टर से कर चुके है। ग्रामीणों की शिकायत पर विभागीय अधिकारी जांच करने मौके पर पहुंचे थे जहां ग्रामीणों के द्वारा अधिकारियों को निर्माणाधीन भवन के बारे अनेकों अनियमितताएं बताई गई लेकिन जांच अधिकारियों की ठेकेदार से मिलीभगत के कारण ग्रामीणों की शिकायत की अनदेखी करते हुए ठेकेदार को बचाने जांच अधिकारियों ने पक्षपात पूर्ण रिपोर्ट तैयार की गई है। निर्माणाधीन छात्रावास भवन में काम कर रहे वर्करों ने अपना नाम गोपनीय रखने और समाचार पत्र में नाम ना छापने की शर्त में बताया है कि घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर भवन तैयार किया जा रहा है। भवन में जंग लगे लोहे की पुरानी रॉड लगाई गई है और घटिया सीमेंट का इस्तेमाल किया गया है, छात्रावास भवन की बीम ,कालम और नींव कमजोर बनी है तेज बारिश के चलते भवन धंसने का खतरा है। आम नागरिक ईओडब्ल्यू के अधिकारियों से उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग शासन से की जा रही है।

करोड़ों की लागत से बन रही बिल्डिंग भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी, बिल्डिंग की नींव कमजोर, उच्चस्तरीय जांच की मांग

पक्षपात रिपोर्ट तैयार कर, कलेक्टर को किया गुमराह

सिवनी जिले के बरघाट विकासखंड अंतर्गत बेहरई गांव में करोड़ो की लागत से बन रहे नवीन जूनियर आदिवासी छात्रावास भवन में भारी भ्रष्टाचार होने की शिकायत अधिकारियों से ग्रामीण अनेकों बार कर चुके है और ईओडब्ल्यू टीम से उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग लंबे समय से कर रहे है। लेकिन ठेकेदार की ऊंची पहुंच के चलते जिले के विभागीय अधिकारियों को शिकायत की जांच सौंपा जा रहा है। विभागीय अधिकारियों के द्वारा ठेकेदार के पक्ष में जांच रिपोर्ट तैयार कर सिवनी कलेक्टर को गुमराह किया जा रहा है, ग्रामीणों का मानना है कि नवीन जूनियर आदिवासी छात्रावास भवन की ईओडब्ल्यू टीम से उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तो भारी भ्रष्टाचार सामने आएगा।

नाम गोपनीय रखने की शर्त पर, वर्करों ने खोले राज

निर्माणाधीन छात्रावास भवन में काम कर रहे वर्करों ने भवन के घटिया निर्माण के बारे में बताया है, वर्करों ने अपना नाम गोपनीय रखने की शर्त पर वर्करों ने बताया कि निर्माणाधीन छात्रावास भवन में संबधित विभागीय अधिकारी की गैर मौजूदगी में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है, नौसिखिए अप्रशिक्षित मिस्त्री के द्वारा निर्माण कार्य कराया गया है, बीम और कालम कमजोर बने है, निर्माण एजेंसी ठेकेदार ने भवन को पेटी ठेके में देकर एक व्यक्ति के द्वारा भवन निर्माण कराया है, पेटी ठेकेदार के द्वारा कम दर नौसिखिए अप्रशिक्षित मिस्त्री और मजदूरों से भवन तैयार करवाया जा रहा है, बताया गया कि जंग लगे लोहे और घटिया सीमेंट का इस्तेमाल कर भवन खड़ा किया गया है, कई सालों पुरानी ईट लगाई गई है और जंग लगे लोहे के दरवाजे, पुराने चौखट लगाकर पेंटिंग कर दी गई है, पेटी ठेकेदार के सुपरवाइजर के भरोसे की बुनियाद पर जल्दबाजी में भवन खड़ा किया गया है।

सूत्रों के हवाले से जानकारी है कि नवनिर्मित छात्रावास भवन की बार बार शिकायत होने पर पेटी ठेकेदार के द्वारा जल्दबाजी में लीपापोती की गई बिल्डिंग को निर्माण एजेंसी ठेकेदार संबधित विभाग को सौंपने की तैयारी में है। हाल ही में प्रदेश के झबुआ जिले में एक निर्माणाधीन सिनेमाघर की छत गिरने से 25 मजदूर मलबे में दब गए थे जिसमें 2 मजदूरों की मौत हो गई थी। विभागीय अधिकारी संबधित निर्माण एजेंसी ठेकेदार को बचाने की भरपूर कोशिश कर रहे है। आम नागरिक प्रदेश सरकार से निर्माणाधीन छात्रावास भवन की ईओडब्ल्यू टीम से उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराने की मांग कर रहे है।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीणा ने 07 जुलाई को टीएल बैठक में विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, एसडीएम गोपाल सोनी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती राजनंदनी शर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल नायक एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम जिले में उर्वरक की उपलब्धता एवं उसके वितरण की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि जिले में नैनो डीएपी सहकारी समितियों एवं प्राईवेट दुकानों में उपलब्ध है, लेकिन किसानों द्वारा इसके प्रति अधिक रूचि नहीं दिखाई जा रही है। किसानों को नैनो डीएपी के उपयोग के प्रति जागरूक किया जा रहा है। वर्तमान में जिले में 4870 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। जिले को ईफको कम्पनी के खाद की एक रेक शीघ्र मिलने वाली है। यह रेक पारादीप बंदरगाह से आएगी। इसी प्रकार एनएफएन कम्पनी की गुना प्लांट से यूरिया की एक रेक शीघ्र बालाघाट आने वाली है।

किसानों के लिए उर्वरक की कमी नही होना चाहिए

कलेक्टर श्री मीणा ने उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया कि वे जिला विपणन अधिकारी एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारी के साथ समन्वय कर समितियों के माध्यम से उर्वरक वितरण की कार्ययोजना तैयार करे। जिले में कहीं पर भी उर्वरक की कमी नहीं होना चाहिए। किसानों को उनकी मांग के अनुरूप समय पर उर्वरक उपलब्ध हो जाना चाहिए। उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया गया कि किसानों को उनके रकबे के अनुसार उर्वरक क्रय करने की सीमा निर्धारित करे।

पुल-पुलियों और तालाबों पर साईन बोर्ड लगाने के निर्देश

जिले में हो रही भारी वर्षा की चर्चा करते हुए कलेक्टर श्री मीणा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जिले में स्थित सभी पुल-पुलियों पर पानी होने की स्थिति में उन्हें पार न करने की सूचना वाले साईन बोर्ड अनिवार्य रूप से लगे होने चाहिए। पुल-पुलियों पर पानी होने की स्थिति में बैरियर लगाकर मार्ग को बंद करने कहा गया। जिससे कोई भी व्यक्ति बाढ़ की स्थिति में नदी नालों को पार न कर सके। साईन बोर्ड एवं बैरियर लगाने की जिम्मेदारी सड़क जिस विभाग की है उसके अधिकारी की रहेगी। मौके पर साईन बोर्ड एवं बैरियर नहीं पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की चेतावनी दी गई। इसी प्रकार जिले में स्थित तालाबों में भी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए कि उनमें वर्षा के दिनों में नहाने पर प्रतिबंध है। कलेक्टर श्री मीणा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने मुख्यालय पर रहे और अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का भी मुख्यालय पर रहना सुनिश्चित करे। आवश्यकता के समय यदि कोई मुख्यालय पर उपस्थित नही पाया जाएगा तो उसके विरूद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

उपस्वास्थ्य केंद्र स्तर पर भी एंटीस्नैक वेनम उपलब्ध रखने के निर्देश

कलेक्टर श्री मीणा ने होमगॉर्ड कमाण्डेंट को निर्देशित किया कि सर्पदंश एवं उसके उपचार के प्रति जागरूकता के लिए जिले के विभिन्न स्थानों पर निरंतर शिविरो का आयोजन करे। इन शिविरों में राजस्व के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अमले को शामिल करने कहा गया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वे उपस्वास्थ्य केंद्र स्थल पर भी एंटीस्नैक वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करे। जिससे सर्पदंश की स्थिति में मरीज को निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में उपचार की सुविधा मिल सके।

बैठक में एक बगियॉ मॉ के नाम योजना की तैयारी के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री बर्मन के बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर उनका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए है। शालाओं द्वारा किये गए पौधारोपण की फोटो अंकुर एप्प पर अपलोड नहीं करने के कारण जिला परियोजना समन्वयक श्री बर्मन को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान निर्देशित किया गया कि एक बगियॉ मॉ के नाम योजना के अंतर्गत पौधारोपण के लिए कार्य योजना शीघ्र तैयार करे। इसी प्रकार उपसंचालक पशु चिकित्सा को वृंदावन ग्राम योजना की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

झींगा उत्पादन दोगुना करने के निर्देश

बैठक में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत लगाए जा रहे शिविरों में अधिक से अधिक पात्र लोगो को शासन की योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए गए। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से आमजन को जोड़ने के लिए लगाए जा रहे शिविरों में बैंक बीसी की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को सुकन्या समृद्धि योजना के लक्ष्य के अनुरूप बालिकाओं का पंजीयन कराने एवं उनके डाक घर में खाते खुलवाने के निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि कक्षा 01 से 12 तक के बच्चों को निशुल्क पाठ्यपुस्तक का वितरण करने के साथ ही पोर्टल पर उसकी एंट्री की जाए। जिले को प्राप्त पुस्तकों का शत प्रतिशत वितरण हो जाना चाहिए।

आपातकालीन स्थिति में चिकित्सकीय सेवा का सराहनीय उदाहरण रात्रि 10:30 बजे हुई सड़क दुर्घटना में घायलों को दी तत्काल सहायता

दैनिक रेवांचल टाइम्स किरनापुर। 06 जुलाई 2025 को खंड चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर, डॉ.वर्ष चौबे अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर ड्यूटी समाप्ति उपरांत किसी आवश्यक कार्य हेतु बालाघाट जा रहे थे। रात्रि लगभग 10:30 बजे जब वे रजेगांव के समीप टोल टैक्स के पास पहुँचे, तभी एक डस्टर वाहन जो बालाघाट से ग्राम भुआ (किरनापुर) की ओर जा रही थी, अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।उक्त दुर्घटना में वाहन की कंडक्टर सीट पर बैठे श्री रवि ठाकरे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर उपस्थित डॉ. वर्ष चौबे ने मानवीय संवेदनाएं दर्शाते हुए तुरंत अपनी निजी कार रोकी एवं घायल को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान किया।

तत्पश्चात उन्होंने 108 एम्बुलेंस सेवा को बुलाकर घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, किरनापुर भेजा।सीएचसी किरनापुर में ड्यूटी पर तैनात डॉ. कीर्तिबाला बांगरे, नर्सिंग ऑफिसर अर्चना खोबरागड़े एवं नर्सिंग ऑफिसर नीता बघेल द्वारा घायल का समुचित एवं तत्परतापूर्वक उपचार किया गया।डॉ. वर्ष चौबे द्वारा प्रदर्शित संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय क्षमता एवं सेवा भावना न केवल विभागीय जिम्मेदारी का उत्कृष्ट निर्वहन है, बल्कि यह समाज में चिकित्सकों की मानवीय भूमिका का भी श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है।डॉ वर्ष चौबे द्वारा इस तरह के कार्यों की सर्वत्र प्रशंसा की जा रही है।